संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 247
पृष्ठ 8
बुधवार
27 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अच्छी सेहत के लिए बेहद जरूरी...

विचार- ईरान पर अमरीकी दबाव के पीछे...

खेल- रैपर स्कॉट से टेलर स्विफ्ट के मंगेतर...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

आयुष्मान योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों का सबसे बड़ा सहारा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभागों की समीक्षा करते हुए साफ तौर पर कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का लाभ सीधे आम आदमी को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में इलाज, जांच, दवाओं और आपात सेवाओं की गुणवत्ता लगातार बेहतर होनी चाहिए। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग संस्थानों और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को आधुनिक तकनीक, बेहतर मानव संसाधन और प्रभावी प्रबंधन से सशक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल संस्थान बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रदेश को प्रशिक्षित चिकित्सक, विशेषज्ञ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध कराना है। उन्होंने मेडिकल संस्थानों में आधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ फैकल्टी और रिसर्च

गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 108 जनपदीय चिकित्सालय, 106 विशिष्ट चिकित्सालय, 976 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 3757 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 27,668 स्वास्थ्य उपकेंद्र संचालित हैं। वर्ष 2025–26 में सरकारी अस्पतालों में 26.41 करोड़ ओपीडी सेवाएं और 1.23 करोड़ आईपीडी सेवाएं दी गईं, जबकि 24.33 करोड़ पैथोलॉजी जांचें की गईं। वर्ष 2016–17 की तुलना में सत्र 2025–26 तक प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 44 से बढ़कर 83 हो गई है, जो 88.6 प्रतिशत की वृद्धि है। विगत 10 वर्षों में पीजी सीटों की संख्या 1344 से बढ़कर 5067 हो गई है, जबकि एमबीबीएस सीटें 5390 से बढ़कर 12800 तक पहुंच गई हैं। सुपर स्पेशियलिटी सीटों में भी लगभग 165 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। नर्सिंग शिक्षा के विस्तार की जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 652 नर्सिंग संस्थान संचालित हैं। एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग और अन्य पाठ्यक्रमों की सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा राज्य में लगभग 3.95 लाख पंजीकृत नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध हैं।

'मिशन निरामया 1.0' के तहत नर्सिंग शिक्षा में हुए सुधारों की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि 17 हजार स्कूलों में परामर्श सत्र आयोजित किए गए तथा 3.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई गई। 10,570 नर्सिंग संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों का सबसे बड़ा सहारा बन रही है। उन्होंने क्लेम दावों का तय समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि अस्पतालों को समय पर भुगतान होता रहेगा तो मरीजों को बेहतर सुविधा मिलती रहेगी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 6480 अस्पताल योजना से जुड़े हैं और अब तक 96.75 लाख से अधिक निरूशुल्क उपचार किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना में आयुष पद्धतियों को भी शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों की आईपीडी सेवाओं को भी योजना का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीन माह से कम एक्सपायरी अवधि वाली दवाएं अस्पतालों में नहीं होनी चाहिए और उनकी जगह नई दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 75 जनपदों में डायलिसिस सेवा और 74 जनपदों में सीटी स्कैन सेवा उपलब्ध है। मार्च 2026 तक 35.69 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र और 45.35 लाख से अधिक सीटी स्कैन किए जा चुके हैं। 227 सीएचसी पर टेली–रेडियोलॉजी सेवा संचालित है।

घुसपैठ पर केंद्र सख्तः जनसांख्यिकीय बदलावों पर उच्च स्तरीय कमेटी का गठन

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर की अध्यक्षता में जनसांख्यिकीय बदलावों पर एक उच्च–स्तरीय समिति का गठन किया है, ताकि अवैध प्रवासन और अन्य अप्राकृतिक कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का व्यापक मूल्यांकन किया जा सके। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर उच्च–स्तरीय समिति की घोषणा की थी। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि सरकार ने इस कमिटी का गठन कर लिया है। शाह ने आगे कहा, जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमिटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत आईएएस), बालाजी श्रीवास्तव (रिटायर आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव

होंगे। गृह मंत्री ने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव हमारी संप्रभुता के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सामाजिक संरचना में गंभीर बदलाव और जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। यह कमिटी, अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव का व्यापक मूल्यांकन करेगी और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के तरीकों का विश्लेषण करेगी तथा इसका सुनियोजित और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी।

कांग्रेस अब दलित वोटरों पर करेगी फोकस, राहुल बोले- पुरानी गलतियां करेंगे दूर

नई दिल्ली,एजेंसी। राहुल गांधी ने कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग की बैठक में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी के भीतर दलितों की भूमिका अहम होगी। राहुल गांधी ने बिना किसी का नाम लिए यह स्वीकार किया कि 1980 और 90 के दशक में कांग्रेस ने दलितों के लिए सही कदम नहीं उठाए थे। उन्होंने कहा कि अगर उस समय सही फैसले लिए जाते, तो जाति आधारित क्षेत्रीय पार्टियां कभी पैदा नहीं होतीं और न ही दलित समुदाय कांग्रेस से दूर जाता। राहुल गांधी के अनुसार, कांग्रेस की अपनी नीतियों की वजह से ही ये क्षेत्रीय दल मजबूत हुए। बैठक में मौजूद सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने बसपा के संस्थापक कांशीराम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने दलित समाज को एकजुट करने और उनमें आत्मविश्वास भरने का बहुत बड़ा काम किया। राहुल गांधी ने भाजपा पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एक

तरफ क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की कोशिश कर रही है, तो दूसरी तरफ दलितों के हक छीन रही है। उन्होंने कहा कि देश में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस अब दलितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी और बाबा साहेब अंबेडकर के सपनों को सच करेगी। राहुल गांधी ने करीब एक साल पहले ओबीसी समुदाय की अनदेखी के लिए भी माफी मांगी थी। अब वह दलितों के मामले में भी वैसी ही बात कह रहे हैं। वह दलित और पिछड़े वर्गों के बीच कांग्रेस की पकड़ फिर से मजबूत करना चाहते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने संविधान की प्रति लेकर कई रैलियां की थीं। उन्होंने जनता से कहा था कि मोदी सरकार के दौरान संविधान खतरे में है। माना जाता है कि इस रणनीति का कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को बड़ा फायदा मिला और दलितों ने उन्हें जमकर वोट दिया। इसी वजह से लोकसभा में कांग्रेस की सीटें पहले से दोगुनी हो गई। आने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी ने दलितों तक पहुंचने का अभियान तेज कर दिया है। पिछले हफ्ते उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में दलित स्वतंत्रता सेनानी वीरा पासी की प्रतिमा का अनावरण किया था।

कम उपस्थिति होने पर भी परीक्षा से नहीं कर सकते वंचित, हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें विधि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को कम अटेंडेंस वाले छात्रों को परीक्षा देने से रोकने से मना किया गया था। कोर्ट का कहा कि सभी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय इस समस्या से पीड़ित हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की ओर से दायर याचिका सहित अन्य याचिकाओं की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें उच्च न्यायालय के नवंबर 2025 के फैसले को चुनौती दी गई थी। वहीं, कार्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के अनुच्छेद 249 पर रोक रहेगी। यानी अभी उस आदेश को लागू नहीं किया जाएगा। हालांकि, यह रोक आगे के लिए लागू मानी जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि इस मामले की सुनवाई उसके पास चलने के बावजूद देश के दूसरे हाई कोर्ट उन मामलों पर फैसला दे सकते हैं जिनमें उपस्थिति नियमों को लेकर याचिकाएं लंबित हैं।

सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा से (जो बीसीआई के अध्यक्ष भी हैं) पूछा कि उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने में उन्हें लगभग छह महीने क्यों लगे। पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा, सभी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) प्रभावित हो रहे हैं। इसके साथ ही यह भी कहा कि छात्र अनिवार्य उपस्थिति नहीं चाहते हैं। पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला छात्रों को कक्षाओं में भाग लेने से नहीं रोकता है। इसमें यह देखा गया कि अगर छात्र कक्षाओं में उपस्थित नहीं होते हैं, तो राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एनएलयू) और अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षक क्या करेंगे। इस मामले में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई जानी

चाहिए। पीठ ने कहा क्या यह फैसला छात्रों को कक्षाओं में न जाने का अधिकार देता है? अपने फैसले में उच्च न्यायालय ने कहा था, श्भारत में किसी भी मान्यता प्राप्त विधि महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या संस्थान में नामांकित किसी भी छात्र को न्यूनतम उपस्थिति की कमी के आधार पर परीक्षा देने से नहीं रोका जाएगा या आगे की शैक्षणिक गतिविधियों या कैरियर की प्रगति से वंचित नहीं किया जाएगा।उच्च न्यायालय ने बीसीआई को तीन वर्षीय और पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य उपस्थिति मानदंडों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए भी कहा था। 13 मई को, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि अगर इस तरह की स्थिति को स्वीकार कर लिया जाए, तो राष्ट्रीय विश्वविद्यालय संघों और विधि कॉलेजों के छात्रावास महज भोजन और आवास सुविधाएं बनकर रह जाएंगे। उच्च न्यायालय ने कहा था कि उसका दृढ़ मत है कि सामान्य रूप से शिक्षा और विशेष रूप से विधिक शिक्षा के लिए उपस्थिति के मानदंडों को इतना कठोर नहीं बनाया जा सकता है कि वह मानसिक आघात का कारण बनें। छात्र की मृत्यु की तो बात ही छोड़ दें। इसने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुरू की गई और हाई कोर्ट में स्थानांतरित की गई एक संज्ञान याचिका का निपटारा करते हुए सुनाया था, जो 2016 में कानून के छात्र सुशांत रोहिल्ला की आत्महत्या से संबंधित थी, जिसे कथित तौर पर आवश्यक उपस्थिति की कमी के कारण सेमेस्टर परीक्षाओं में बैठने से रोक दिया गया था। कानून के तीसरे वर्ष के छात्र रोहिल्ला ने 10 अगस्त, 2016 को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। आरोप था कि कॉलेज ने आवश्यक उपस्थिति न होने के कारण उन्हें सेमेस्टर परीक्षा में बैठने से रोक दिया था। उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था जिसमें उन्होंने लिखा था कि वह असफल हैं और जीना नहीं चाहते। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2023 के तहत सभी शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए शिकायत निवारण समितियों (जीआरसी) का गठन करना अनिवार्य होगा।

अमित शाह ने दिया बीएसएफ जवानों को संदेश

सिर्फ बॉर्डर नहीं, 50 किमी तक हर हलचल पर नजर रखें,

बीकानेर,एजेंसी। सांचू पोस्ट पहुंचकर अमित शाह ने प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सीमा से लगे 50 किलोमीटर तक किसी भी असामान्य गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाए। उन्होंने बीएसएफ जवानों को निर्देश दिए कि सीमावर्ती गांवों में होने वाले किसी भी अवैध निर्माण की जानकारी तुरंत सिविल प्रशासन और पुलिस को दी जाए। उन्होंने कहा कि बीएसएफ की जिम्मेदारी केवल सीमा की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों की गतिविधियों पर भी सतर्क नजर रखना जरूरी है। गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ जवानों के प्रदर्शन की जमकर सराहना

की। उन्होंने कहा कि जहां–जहां बीएसएफ तैनात रही, वहां जवान न केवल मजबूती से डटे रहे बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। अमित शाह ने कहा कि देश के सीमा प्रहरी बर्फीले पहाड़ों से लेकर तपते रेगिस्तान तक और 45 डिग्री से लेकर माइनस 45 डिग्री तापमान तक बहादुरी, साहस और बलिदान की भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी के दौरान शहीद हुए करीब 2 हजार जवानों को श्रद्धांजलि भी दी। दौरे के दौरान अमित शाह ने सांचू पोस्ट पर जवानों के साथ अनौपचारिक बातचीत की और उनके साथ पारंपरिक नाश्ता भी किया। उन्होंने सीमा सुरक्षा संचालन और रेगिस्तानी परिस्थितियों में जवानों के अनुभवों की जानकारी ली। करीब 42 डिग्री तापमान के बीच गृह मंत्री ने जवानों का हौसला बढ़ाया और उनकी समस्याओं पर भी चर्चा की। अमित शाह ने बीएसएफ की विभिन्न सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई–लोकार्पण भी किया। अधिकारियों के अनुसार राजस्थान में महिलाओं के लिए कुल 79 बैरक स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 67 का निर्माण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और सरकार उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री ने प्रहरी आर्म्स गैलरी का अवलोकन किया और सीमा सुरक्षा में इस्तेमाल हो रही आधुनिक ड्रोन तकनीक तथा हाईटेक सर्विलांस सिस्टम की जानकारी ली।

उन्होंने दूरबीन से जीरो पॉइंट क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। अमित शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए बीएसएफ, सेना, जागरूक नागरिकों और प्रशासन को मिलकर "मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड" तैयार करना होगा। उन्होंने सीमापार घुसपैठ, तस्करी और ड्रोन गतिविधियों पर लगातार नजर रखने के निर्देश भी दिए।

पीएम मोदी के 12 साल पर राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

भारत की विकास यात्रा में एक नया अध्याय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल के समापन पर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि 26 मई, 2014, भारत की सभ्यतागत और विकास यात्रा में एक परिवर्तनकारी चरण की शुरुआत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को पहली बार पद की शपथ ली थी और तब से वे 2019 और 2024 में लगातार दो कार्यकालों के लिए शपथ ले चुके हैं।

एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने से शासन में एक निर्णायक बदलाव आया। राजनाथ ने कहा कि 26 मई 2014 को भारत की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। जिस दिन राजनाथ सिंह ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, वह दिन देश में शासन–व्यवस्था, नेतृत्व, और राष्ट्रीय संकल्प में एक निर्णायक परिवर्तन का

प्रतीक बन गया। आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण से लेकर आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन तक, आधारभूत संरचना के विस्तार से लेकर वैश्विक मंच पर भारत की मजबूत मौजूदगी और सशक्त राष्ट्रीय सुरक्षा नीति तकय प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व गति के साथ प्रगति की है। आज भारत पहले से कहीं अधिक मजबूत, आत्मविश्वासी और गौरवपूर्ण राष्ट्र के रूप में पूरे विश्व के सामने खड़ा है। आज भारत की विकास गाथा पहले से कहीं अधिक समावेशी और लोककल्याणकारी बनी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' की भावना को सही मायनों में साकार किया गया है। करोड़ों लोग, जो दशकों तक हाशिये पर रहे, आज भारत की विकास यात्रा के सक्रिय सहभागी बने हैं।

बेतरतीब वाहनों की पार्किंग से प्रतिदिन लग रहा जाम

प्रयागराज। स्थानीय बाजार के चौराहे पर बेतरतीब तरीके से वाहनों की पार्किंग के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। सड़क किनारे खड़े किए जा रहे चार पहिया और अप्पे वाहनों से मुख्य मार्ग संकरा हो गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय कारोबारी व क्षेत्र पंचायत सदस्य तीरथ लाल केसरवानी, राजेश केसरवानी, दिलीप पुष्पाकर, संतोष सोनी, फूलचंद्र मौर्य आदि का कहना है कि बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास वाहन चालक मनमाने तरीके से वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई बार एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है लेकिन जिम्मेदार विभाग और पुलिस प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नियमित अभियान चलाकर अवैध पार्किंग पर कार्रवाई की जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

नौतपा शुरू होते ही सूरज ने तेज किए तेवर

प्रयागराज। नौतपा शुरू होते ही सूरज ने अपने तेवर तेज कर दिए हैं। रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश के साथ ही नौ दिन तक

चलने वाले नौतपा की शुरुआत हो गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान भीषण गर्मी और लू का प्रकोप रहेगा। ज्योतिषाचार्य पंडित गोपाल देवाचार्य के अनुसार, जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो अगले 9 दिन नौतपा कहलाता है। मान्यता है कि इन 9 दिनों में जितनी तेज गर्मी पड़ती है। मानसून उतना ही बेहतर होता है। इस बार नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊआइमा के प्रभारी डॉ. रामगोपाल वर्मा ने लोगों से दोपहर 12 से 4 बजे तक घर से बाहर न निकलने का आग्रह की है।

अतिक्रमण और अव्यवस्था के खिलाफ ग्रामीणों ने उठाई आवाज

प्रयागराज। क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण, गंदगी और अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने खंड विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। गंगा घाट पर अवैध चौकियां, दुकानों और होटलों के अतिक्रमण से श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोग नियमों को दरकिनार कर सरकारी जमीनों पर कब्जा किए हुए हैं जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय निवासी शिवकुमार मौर्य और धीरज सोनी का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए तो शृंग्वेरपुर धाम की पहचान और पवित्रता पर संकट खड़ा हो सकता है।

चौपाल में जमीन और रास्ते के विवाद पर हुई सुनवाई

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र के हेमापुर गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में सोमवार को सचल ग्राम न्यायालय का आयोजन किया गया, जहां ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर मौके पर समाधान का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में ग्राम न्यायालय फूलपुर के न्यायाधिकारी कामेंद्र नाथ चौधरी ने ग्रामीणों को ग्राम

न्यायालय की कार्यप्रणाली और उसके लाभ की जानकारी दी।

न्यायाधिकारी कामेंद्र नाथ चौधरी ने कहा कि सचल ग्राम न्यायालय के माध्यम से गांव–गांव पहुंचकर छोटे–छोटे विवादों को आपसी समझौते से निपटाया जा रहा है। रास्ते, जमीन, आपसी कहासुनी और मारपीट जैसे मामलों में यदि दोनों पक्ष सहमति जताते हैं तो उन्हें समझाकर सुलह कराने का प्रयास किया जाता है। अब तक आठ ग्राम सभाओं में इस तरह के शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इस दौरान संबंधित राजस्व निरीक्षक के अनुपस्थित रहने पर न्यायाधिकारी कामेंद्र नाथ चौधरी ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी जरूरी है, तभी ग्रामीणों की शिकायतों का समय पर निस्तारण संभव हो सकेगा।

पोल वॉल्ट में कुलदीप ने अपना रिकॉर्ड तोड़ एशियाड के लिए किया क्वालीफाई

प्रयागराज। मऊआइमा के अलावलपुर निवासी अंतरराष्ट्रीय एथलीट कुलदीप यादव ने 29वें नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कप में देवमीना के साथ संयुक्त संयुक्त चैंपियन बने हैं। उन्होंने रविवार देर रात रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए पोलवॉल्ट में 5.45 मीटर ऊंची छलांग लगाया। इस प्रदर्शन के साथ कुलदीप ने अपना पुराना रिकॉर्ड 5.41 मीटर तोड़ दिया। कुलदीप ने अपनी सफलता का श्रेय कोच घनश्याम यादव और माता–पिता को दिया।

कई मरीजों को एक ही इंजेक्शन लगाने का आरोप, अस्पताल प्रबंधक पर एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज के एक अस्पताल में कई मरीजों को एक ही इंजेक्शन लगाने का आरोप लगा है। अस्पताल प्रबंधक पर एफआईआर दर्ज की गई है। आयुष्मान कार्ड से चल रहे इलाज में 18 हजार रुपये लेने का भी आरोप लगा है। प्रयागराज के धूमनगंज के झलवा स्थित शंभूनाथ अस्पताल में कई मरीजों को एक ही इंजेक्शन से दवा लगाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अस्पताल का एक कर्मचारी मरीजों को इंजेक्शन लगा रहा था। मना करने पर वह फरार हो गया। धूमनगंज पुलिस ने अस्पताल के प्रबंधक और कर्मचारी राजीव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

गौसपुर निवासी रौनित गुप्ता ने आरोप लगाया कि वह 20 मई को इलाज के लिए शंभूनाथ अस्पताल में भर्ती हुआ था।

उसका इलाज आयुष्मान कार्ड के तहत चल रहा था लेकिन अस्पताल ने उससे 18 हजार रुपये नकद ले लिए।

सोमवार सुबह करीब छह बजे उसने देखा कि अस्पताल का एक कर्मचारी एक ही इंजेक्शन से कई मरीजों को दवा लगा रहा था। आरोप है कि कर्मचारी ने उसे भी वही इंजेक्शन लगा दिया। विरोध और पूछताछ करने पर वह फरार हो गया।

रौनित गुप्ता के मुताबिक, परिजनों ने जब घटना की जानकारी अस्पताल प्रबंधक को दी तो उन्होंने मामले को दबाने का प्रयास किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों में कैद है।

अस्पताल डायरेक्टर आरके सिंह एमडी ने बताया कि मरीज के हाथ में गंभीर चोट थी। उनके पास आयुष्मान कार्ड था लेकिन उन्होंने सरकार की ओर से तय दर से अधिक कीमत वाला उपकरण स्वयं अपनी इच्छा से लगवाया। इसी कारण उनसे अतिरिक्त शुल्क लिया गया। कई मरीजों पर एक ही इंजेक्शन लगाने का आरोप बेबुनियाद है। धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि अस्पताल प्रबंधक समेत अन्य पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

मोबाइल स्नैचिंग के बाद बदमाशों का पीछा कर रहे इविवि के छात्र को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। चौथम लाइन स्थित पंत हॉस्टल निवासी मिथिलेश कुमार इविवि से पीएचडी कर रहा है। शनिवार रात करीब 10 बजे वह अपने साथियों के साथ खाना खाने के बाद टहल रहा था।

प्रयागराज के सलोरी स्थित वनस्पति अनुसंधान केंद्र ओवरब्रिज के पास मोबाइल फोन छीनकर भाग रहे बाइक सवार बदमाशों का पीछा कर रहे इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पीएचडी छात्र को गोली मार दी गई। छात्र को बेली अस्पताल में भर्ती कराया गया। कर्नलगंज पुलिस ने वारदात के दो दिन बाद अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

चौथम लाइन स्थित पंत हॉस्टल निवासी मिथिलेश कुमार इविवि से पीएचडी कर रहा है। शनिवार रात करीब 10 बजे वह अपने साथियों के साथ खाना खाने के बाद टहल रहा था। सलोरी के वनस्पति अनुसंधान केंद्र ओवरब्रिज के पास बाइक सवार दो बदमाश आंबेडकर हॉस्टल निवासी एक छात्र का मोबाइल छीनकर पंत हॉस्टल की ओर भागने लगे। शोर सुनकर मिथिलेश और अन्य छात्रों ने बदमाशों का पीछा कर रोकने का प्रयास किया।

आरोप है कि बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने असलहा निकालकर फायरिंग कर दी। गोली मिथिलेश की जांघ में लग गई और वह सड़क पर गिर पड़ा। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना से नाराज छात्रों ने इलाके में बढ़ती लूट और छिनैती की घटनाओं को लेकर विरोध भी जताया। छात्र ने आरोप लगाया है कि वारदात के दो दिन बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। बहरहाल, पुलिस ने सोमवार को आरोपियों के खिलाफ दर्ज कर ली है।

कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह यादव ने बताया कि बाइक सवार दो युवकों ने वारदात को अंजाम दिया है। उनकी पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परीक्षा के दौरान तोड़फोड़, जीटी रोड किया चक्काजाम

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के अंदावा स्थित सुनीता सिंह सीता सिंह महिला महाविद्यालय में आई टेक जोन परीक्षा केंद्र पर क्षमता से दोगुना परीक्षार्थियों के पहुंचने पर जमकर बवाल हुआ। सीट नहीं मिलने से नाराज परीक्षार्थी आक्रोशित हो गए और परीक्षा केंद्र में तोड़फोड़ करने लगे। इस दौरान 100 से अधिक कंप्यूटर सहित कक्ष में लगे कूलर, एसी, सर्वर, सीसीटीवी कैमरे और वाटर कूलर तोड़ दिए। परीक्षार्थियों का गुस्सा इतने पर भी शांत नहीं हुआ तो उन्होंने जीटी रोड पर चक्काजाम कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचे और परीक्षार्थियों को समझाककर जाम खत्म कर यातायात बहाल किया गया।

बाद में कर्मचारी चयन आयोग की ओर से दोनों पॉली की परीक्षा स्थगित किए जाने की सूचना चस्पा करने पर छात्र शांत हुए और वापस लौट गए।

कर्मचारी चयन आयोग मध्य क्षेत्र ने सोमवार को कांस्टेबल जीडी की परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा कराने की जिम्मेदारी बंगलूरू की एक कंपनी एडूक्विटी कॅरिअर टेक्नोलॉजिस प्राइवेट लिमिटेड को दी गई थी।

अंदावा स्थित आई–टेक जोन सेंटर में द्वितीय और तृतीय पॉली में परीक्षा होनी थी। सेंटर में 650 कंप्यूटर सिस्टम लगे हैं। प्रथम पाली की परीक्षा में 505 के स्थान पर 1035 परीक्षार्थी और द्वितीय पाली में 495 की जगह 1034 परीक्षार्थियों को सेंटर दिया गया था।

परीक्षार्थियों की संख्या की जानकारी सेंटर को मेल से सोमवार को ही दिया गया था। परीक्षा के समय सेंटर पर क्षमता से दोगुना छात्रों के पहुंचने पर अफरा–तफरी मच गई। जब छात्रों को सिस्टम नही मिला तो तोड़फोड़ करने लगे।

इस दौरान कई कक्ष में लगे सभी सिस्टम और कुर्सियां तोड़ दीं गईं। इतना ही नहीं, कमरे में लगे एसी, कूलर और सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले। इसके बाद परीक्षार्थी जैन मंदिर के सामने जीटी रोड पर पहुंचे और चक्काजाम कर दिया।

परीक्षार्थी करीब एक घंटे तक जीटी रोड पर हंगामा करते रहे। चक्काजाम की सूचना पर ट्रेनी आईपीएस ईश्वर लाल गुर्जर, एसीपी थरवई अरुण पाराशर और एसीपी फूलपुर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाकर चक्काजाम समाप्त कराया।

परीक्षार्थियों का हंगामा करते देख परीक्षा करा रहे भाग खड़े हुए। परीक्षा स्थगित की सूचना चस्पा होने पर छात्र लौट गए।

सेंटर में क्षमता से अधिक परीक्षार्थियों को बुलाया गया था जिससे वे नाराज हो गए थे। नाराज परीक्षार्थियों ने सेंटर में तोड़फोड़ करते हुए सड़क जाम कर दिया। परीक्षार्थियों को समझाकर शांत कराया गया। –अरुण पाराशर,एसीपी थरवई

अब गांवों तक पहुंचने लगीं रोडवेज की बसें, 25 रूटों पर भर रही हैं रफ्तार

प्रयागराज। रोडवेज की बसों का 25 रूटों पर संचालन शुरू हो गया है। इससे ग्रामीणों का सफर आसान हो गया है। पहले ग्रामीणों के लिए डग्गामार बसें ही सहारा हुआ करती थीं। अब मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत 25 रूटों पर रोडवेज ने बसों का संचालन शुरू करा देने का दावा किया गया हैं। हालांकि रोडवेज ने इसके लिए और 90 बसें मांगी हैं। जिले में 1540 ग्राम पंचायतें हैं। इसमें करीब 150 से 200 ऐसी ग्राम पंचायतें हैं जहां लोगों को लंबी दूरी तय कर मुख्य मार्ग तक आना पड़ता हैं। बसों की सुविधा नहीं होने के कारण गांव के लोगों को परेशानी उठानी पड़ती हैं। रोडवेज ने फिलहाल 42 सीटर बसों को संचालित करने का निर्णय लिया हैं। रोडवेज के आरएम रवींद्र कुमार सिंह ने बताया कि 25 रूटों पर संचालन बसों का शुरू करा दिया गया हैं। शासन से 90 बसों की डिमांड की गई हैं। ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता पर रखा गया है जहां डग्गामार बसें ही एक मात्र साधन थे।

भीषण गर्मी से ट्रांसफार्मर हुए लाल, ठंडा करने के लिए लगाए कूलर

प्रयागराज। भीषण गर्मी से ट्रांसफार्मर से लेकर सभी उपकरण इन दिनों हांफ रहे हैं। इससे हबूसा मोड़ स्थित मुख्य बिजली घर के साथ ही झूंसी के सभी पांचों बिजली उपकेंद्रों के ट्रांसफार्मर ओवरलोड से ओवरहीट होकर बार–बार ट्रिप करने लगे हैं। 05, 10 और 33 एमवीए के ट्रांसफार्मरों को ठंडा करने के लिए अलग से कूलर लगाए गए हैं। गर्मी में बिजली की खपत दोगुना हो गई है। इससे ट्रांसमिशन उपकेंद्रों में लगे पावर ट्रांसफार्मर गर्म होकर थोड़ी–थोड़ी देर में कट हो रहे हैं। अधिकतम 55 डिग्री सेल्सियस तक ताप झेलने की क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों का तेल गर्म होने से उनका तापमान 70 डिग्री तक पहुंच रहा है। इससे दिन में ज्यादा समस्या हो रही है। हबूसा मोड़ स्थित ट्रांसमिशन बिजली उपकेंद्र में 33 एमवीए के ट्रांसफार्मर के साथ ही एक्जास्ट फैन लगाए गए हैं। साथ ही कूलर लगाने की भी तैयारी चल रही है। इसी प्रकार आवास विकास कालोनी योजना तीन स्थित बिजली उपकेंद्र में लगे 10 एमवीए के ट्रांसफार्मरों को ठंडा रखने के लिए कूलर लगाया गया है। साथ ही नई झूंसी, बिजली उपकेंद्र में लगे पांच एमवीए के ट्रांसफार्मर को ठंडा करने के लिए कूलर लगाने की तैयारी है। इसी प्रकार झूंसी कोहना, उस्तापुर–महमूदाबाद और त्रिवेणीपुरम बिजली उपकेंद्रों पर पांच और दस एमवीए की क्षमता वाले चार ट्रांसफार्मरों के सामने कूलर लगवाए गए हैं। अवर अभियंता जीतेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि तापमान बढ़ने के कारण पिछले पंद्रह दिनों से बिजली की खपत भी तकरीबन दोगुनी हो गई है। इससे दिन हो या रात पॉवर ट्रांसफार्मर ओवरहीट रहते हैं। बार–बार पॉवर कट न हो इसलिए ट्रांसफार्मरों के सामने कूलर लगाए गए हैं, ताकि ट्रांसफार्मर का तेल ठंडा होता रहे और ज्यादा गर्म होने से ऑटो कट न हों। जबतक अच्छी बारिश नहीं होती और तापमान सामान्य नहीं होता, कूलर लगे रहेंगे। भीषण गर्मी में बिजली की बढ़ी खपत के साथ ही लोकल फाल्ट भी बढ़ते जा रहे हैं। सोमवार को भी नई झूंसी, झूंसी कोहना, उस्तापुर महमूदाबाद और त्रिवेणीपुरम बिजली उपकेंद्र से किसी न किसी मोहल्ले में लोकल फाल्ट के कारण बिजली के आने और जाने का क्रम चलता रहा।

जॉर्ज टाउन में बिजली गुल, सड़कों पर आए लोग

प्रयागराज। जॉर्ज टाउन क्षेत्र में सोमवार रात अचानक बिजली आपूर्ति ठप होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वन विभाग चौराहे से लेकर जॉर्ज टाउन थाने चौराहे तक रात करीब आठ बजे बिजली गुल हो गई। इससे पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार–बार शिकायत के बावजूद अधिकारियों की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही है। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली न होने से लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। रात करीब आठ बजे से बिजली गुल है। गर्मी और उमस में घरों में रहना मुश्किल हो गया है इसलिए लोग बाहर सड़कों पर निकलने को मजबूर हैं। बिटिया बीमार पड़ गई है। कई बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ

शिफ्टिंग के अभाव में धूल फांक रही है डेंटल चेयर

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार में सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं पटरी से उतर चुकी हैं। अस्पताल में लाखों की लागत से लगी आधुनिक डेंटल चेयर बीते कई महीनों से धूल फांक रही है। इससे जरूरतमंद लोगों को दिक्कतों का सामना

करना पड़ा है। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार एक महीने पहले बड़ी उम्मीदों के साथ यहां रोगियों की संख्या को देखते हुए डेंटल चेयर लगाई गई।जो काफी समय से रखरखाव (शिफ्टिंग) की कमी से कमरे में धूल फांक रही है। डेंटल सर्जन डॉ मीनाक्षी ने बताया कि डेंटल चेयर स्थापित न होने से समस्या आ रही है। जांच प्रक्रिया में इंस्ट्रूमेंट तथा पानी की नितांत आवश्यकता होती है, जो उपलब्ध नहीं है। जबकि स्वास्थ्य केंद्र पर रोज दांत से ग्रसित मरीज आते हैं।

जिले से एक माह पहले डेंटल चेयर भेजी गई। चेयर की शिफ्टिंग न होने से दिक्कत आ रही है। संबंधित अधिकारी को पत्र भेजकर अवगत कराया गया है। समस्या के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। –डॉ अमरेश वर्मा, अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार

सेवानिवृत्त रेलकर्मी की वेतन वृद्धि पर तीन माह में फैसला लें : कैट

प्रयागराज। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) की इलाहाबाद पीठ ने सेवानिवृत्त रेलकर्मी के वार्षिक वेतन वृद्धि संबंधी मांग पर तीन माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायिक सदस्य रजनीश कुमार राय ने नरसिंह मिस्त्री की याचिका पर दिया। चंदौली निवासी नरसिंह मिस्त्री की नियुक्ति 23 अगस्त 1982 को रेलवे विभाग में स्टेनोग्राफर के पद पर की गई थी। वह 30 जून 2015 को दीनदयाल उपाध्याय रेलवे कारखाना स्थित प्लांट डिपो से सेवानिवृत्त हुए। उनका आरोप था कि सेवानिवृत्ति के कारण उस साल के वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से केपीटीसीएल बनाम सीपी मुंडी और यूनियन ऑफ इंडिया बनाम एम सिद्धराज में दिए गए फैसलों के आधार पर याची ने आठ मई 2025 को रेलवे अधिकारियों को प्रत्यावेदन दिया था। 12 जनवरी 2026 को स्मरण पत्र भी भेजा पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। न्यायाधिकरण ने कहा कि याची की मांग पर सक्षम प्राधिकारी कारणयुक्त और स्पष्ट आदेश पारित करें। प्रत्यावेदन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के आलोक में विचार कर प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने की तारीख से तीन माह के भीतर निर्णय लिया जाए।

शुआट्स में बकाये वेतन को लेकर शिक्षकों ने शुरू किया आमरण अनशन

प्रयागराज। बकाये वेतन के भुगतान न होने से नाराज शिक्षक सोमवार को शुआट्स परिसर स्थित कुलपति कार्यालय के सामने आमरण अनशन पर बैठ गए। उनका आरोप है कि विवि प्रशासन लगातार वेतन भुगतान को लेकर आश्वासन दे रहा है लेकिन

भुगतान अभी तक नहीं किया गया। इसके कारण वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। बीते 16 अप्रैल से शुआट्स सोसायटी के शिक्षक व कर्मचारी बकाये वेतन को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मामले की शिकायत डीएम से भी की थी। इसपर डीएम ने सीडीओ की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन कर मामले की जांच कर रिपोर्ट भेजने को कहा था। सोमवार को शिक्षक विवि पहुंचे और कुलपति कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू कर दिया। उनका कहना है, जब तक भुगतान नहीं होगा उनका अनशन चलता रहेगा। शिक्षकों ने इसकी जानकारी डीएम, मुख्य विकास अधिकारी व सिटी मजिस्ट्रेट को दे दी है।

चलते अप्पे में महिला से डेढ़ लाख रुपये का जेवर लूटा

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र में बदमाशों ने अप्पे वाहन में बैठी महिला से सोने के जेवर लूट लिए और चलते वाहन से धक्का देकर उसे सड़क पर फेंक दिया। रामनगर गांव निवासी सुशीला देवी अपने भाई के लिए खाना लेकर अस्पताल गई थी। दोपहर करीब 12 बजे वह अकेले घर लौट रही थी। आरोप है कि वह सहसों से अप्पे वाहन में बैठकर रामनगर के लिए निकली। वाहन में पहले से दो युवक बैठे थे। जैसे ही अप्पे थाना क्षेत्र के ललचहां स्थित दुर्गा मंदिर के पास पहुंचा। दोनों बदमाशों ने महिला को दबोच लिया और उसके गले से सोने का मंगलसूत्र और कान की बाली छीन ली। लूटे गए जेवरों की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के बाद बदमाशों ने सहसों–फाफामऊ मार्ग पर रामनगर के पहले महिला को चलती गाड़ी से धक्का देकर नीचे गिरा दिया और वाहन समेत भाग गए। सड़क पर गिरने से महिला घायल हो गई। किसी तरह उसने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

संक्षिप्त

विद्यालयों में पठन संस्कृति मजबूत कर रही योगी सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार अब परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों में पठन संस्कृति को मजबूत कर बच्चों में पढ़ने की आदत, भाषा दक्षता और रचनात्मक सोच विकसित करने पर विशेष जोर दे रही है। शैक्षिक सत्र 2026–27 के शुभारंभ के अवसर पर पठन संस्कृति और समाचार–पत्र पठन से संबंधित पूर्व में जारी निर्देशों के प्रभावी अनुपालन को लेकर फिर से व्यापक स्तर पर दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं ताकि विद्यालयों में पढ़ने का सकारात्मक वातावरण विकसित किया जा सके।अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से पहले ही विद्यालयों में पठन संस्कृति, समाचार–पत्र पठन और रीडिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अब उन्हीं निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए समस्त प्राचार्य डायट, एडी बेसिक, बीएसए, बीईओ आदि को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि विद्यालयों में पठन गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु व्यक्तिगत एवं समर्पित प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।योगी सरकार का फोकस अब परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई को केवल पाठ्यक्रम आधारित न रखते हुए विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित कर भाषा दक्षता, संवाद क्षमता,तार्किक सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति को मजबूत करने पर है। ृसमाचार–पत्र पठनश, श्रीडिंग ऑवरश और श्स्क्रीन टाइम कम करनेश जैसी गतिविधियों को अब और अधिक गंभीरता के साथ लागू कराने पर जोर दिया जा रहा है। इन गतिविधियों को नियमित और प्रभावी तरीके से संचालित कर प्रत्येक विद्यालय में पढ़ने का सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाएगा।शासन की मंशा है कि विद्यार्थी पुस्तक पठन तक सीमित न रहें, बल्कि स्वतंत्र लेखन क्षमता और रचनात्मक सोच भी मजबूत हो।

पुलिस प्रशासन की सख्ती से कसमंडी के शिव मन्दिर में नहीं हो सका हनुमान चालीसा पाठ

लखनऊ अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल व कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी के हाउस अरेस्ट होने और मलिहाबाद क्षेत्र के कसमंडी गांव स्थित शिव मन्दिर में पुलिस प्रशासन के सख्ती के चलते संगठन के लोग प्रस्तावित हनुमान चालीसा पाठ नहीं कर सके। वहीं हाउस अरेस्ट प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने अपने आवास में ही पुलिस प्रशासन के मौजूद अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंप कर कंसा पासी के किले सहित मन्दिर को संरक्षण में लेकर जांच पूरी होने तक वहां पर नमाज पर पूरी तरह प्रतिबन्ध लगाने की मांग की। मालूम हो कि कंसा पासी के किले में स्थित मन्दिर में नमाज पढ़वाये जाने के बाद से उपजे विवाद के बाद अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कार्यवाही की मांग के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के आह्वान पर आज मंगलवार को सायं चार बजे हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन की घोषणा की थी। इस घोषणा के कुछ ही घंटों के अन्दर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल, कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी सहित कई प्रमुख नेताओं को उनके ही आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया गया था।

साले ने जीजा पर चापड़ से किया हमला,सिर और हाथ में गंभीर चोटें

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र में साले ने जीजा पर चापड़ से जानलेवा हमला किया। हमले में पीड़ित के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित ने मामले की शिकायत गुडम्बा थाने में दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। निशातगंज निवासी मो. राशिद सिद्दीकी का आरोप है कि उनके साले इम्तियाज ने उन पर चापड़ से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित मो. राशिद सिद्दीकी के मुताबिक, वह सोमवार देर रात करीब 12.30 बजे अपनी पत्नी के घर शिवानी विहार, कल्याणपुर पहुंचे थे। इसी दौरान उनका 6 वर्षीय बेटा मो. इब्राहिम अपनी नानी के साथ छत पर गया था। आरोप है कि तभी उनका साला इम्तियाज भी छत पर पहुंचा और किसी बात को लेकर बच्चे की पिटाई करने लगा। बच्चे की चीख–पुकार सुनकर राशिद ने विरोध किया तो इम्तियाज आगबबूला हो गया। उसने चापड़ से राशिद पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में राशिद के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। किसी तरह मौके से भागकर उन्होंने अपनी जान बचाई। घटना के बाद पीड़ित ने गुडम्बा थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

नगर निगम मुख्यालय पर किसानों का प्रदर्शन,पटरी दुकानदारों के शोषण का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पटरी दुकानदारों के शोषण का आरोप लगाते हुए नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का कहना है कि मामले में कई बार अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। दबाव डालकर नगर निगम द्वारा पटरी दुकानदारों का शोषण हो रहा। किसानों का कहना है कि मामले में नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग करेंगे। ताकि पटरी दुकानदारों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर रोक लग सके।

छत फांदकर घर में घुसे चोर,नकदी और लाखों के जेवर लेकर फरार, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के काकोरी क्षेत्र में चोरों ने एक घर को निशाना बनाया है। सोमवार रात चोर छत फांदकर मकान में घुसे और नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर लेकर फरार हो गए। सुबह गृहस्वामी के जागने पर चोरी का पता चला। यह घटना काकोरी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बहरु में हुई। पीड़ित लवकुश पुत्र स्वर्गीय बलदेव के अनुसार, चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। परिवार को चोरी की भनक तक नहीं लगी। सुबह जब लवकुश की आंख खुली, तो घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी से जेवर व नकदी गायब थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने काकोरी कोतवाली में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस मामले में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर के रूप में षड् वर्ष सम्पूर्ति समारोह के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रयागराज स्थित गंगानाथ झा परिसर के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन परिसर के सभागार में आज दिनांक 26.05.2026 को सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने आज आभासी पटल माध्यम से परिसर के षड् वर्ष पूर्ण होने पर पर परिसर के सभागार का नाम स्वतन्त्रता सेनानी एवं मूर्धन्य विद्वान महामना मदन मोहन मालवीय के नाम पर अवस्थापित किया। इसी क्रम में परिसर स्थित पुस्तकालय अब महर्षि भरद्वाज पुस्तकालय के नाम से जाना जाएगा। परिसर के संग्रहालय का नामकरण महामहोपाध्याय डॉ. उमेश मिश्र महानुभाव के नाम पर हुआ। गंगानाथ झा परिसर को कम्पनी बाग में संस्थान हेतु भूमि दिलाने में डॉ. मिश्र की अहम भूमिका रही थी। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने आभासी पटल माध्यम से परिसर की चित्रवीथी 1943 ई. से अद्यतन, का लोकार्पण किया। परिसर की चित्रवीथी के इन संस्करणों में गंगानाथ झा परिसर के विकास की समग्र गाथा समाहित है।

कुलपति महोदय ने गंगानाथ झा परिसर की शोध पत्रिका उशती का भी लोकार्पण किया। उन्होंने इसी अवसर पर परिसर स्थित दृश्य–श्रव्य अंकन केन्द्र के 500 वीडियो का भी ऑनलाइन माध्यम से लोकार्पण किया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में माननीय कुलपति ने गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन संगम पर स्थित प्रयागराज के इस परिसर को विशिष्ट एवं आध्यात्मिक–सांस्कृतिक ऊर्जा से समृद्ध बताया। 1943 ई. में स्थापित गंगानाथ झा शोध संस्थान की स्थापना के साथ ही प्रयागराज में शोध एवं अध्ययन की जो परम्परा गंगानाथ झा परिसर द्वारा आरम्भ की गई उसी समृद्ध परम्परा को आगे

बढ़ाते हुए यह परिसर आज केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण परिसर बन गया है। अपने वक्तव्य में उन्होंने परिसर को ज्ञान का अद्भुत केन्र्क बताया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर की इन चित्रवीथियों को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की अमूल्य धरोहर बताया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद गुरुकुलम् के माध्यम से बी.ए. एम.एस. के कोर्स की तरह ही निकट भविष्य में बी.टेक. जैसे कोर्सों को प्रारम्भ करने की इच्छा जताई। उन्होंने आज के युवा वर्ग को संस्कृति एवं रोजगार दोनों से ही जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। केन्रीरोय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर के रूप में गंगानाथ झा परिसर द्वारा किये जा रहे इन विशिष्ट प्रयासों की उन्होंने भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्हों ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय संस्कृति के उन्नयन एवं प्रसार हेतु किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने इस अवसर पर संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों को वीडियो के रूप में सम्पादित एवं संकलित करने के कार्य को अभूतपूर्व एवं संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने डिजिटल रूप में संग्रहीत संस्कृताध्ययन से सम्बन्धित इन वीडियोसंग्रह को मात्र परिसर की सामग्री न मानकर इसे विद्वानों के ज्ञान का संरक्षित बहुमूल्य कोष बताया। परिसर के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने इस हेतु उनके प्रयासों की सराहना की।

इसके पूर्व परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने चित्रवीथी (1943 से 2025) के विषय में कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी को विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। चित्रवीथी में उपलब्ध विभिन्न विद्वानों द्वारा संस्कृत भाषा में शोधकार्यों हेतु उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने परिसर की विविध उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने परिसर के छात्र–छात्राओं को परिसर के संसाधनो का अधिक से अधिक उपयोग कर सफल होने को प्रेरित किया। इसके पूर्व कार्यक्रम के आरम्भ में प्राक्शोध पाठ्यक्रम की छात्राओं ने संस्कृत गीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त गणमान्यों का स्वागत परिसर के सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम का संचालन सहायकाचार्य श्री अंकित मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने किया। वन्दे मातरम् एवं शान्ति मर्न् के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रो. बनमाली विस्वाल (ऑनलाइन माध्यम से), प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. राजकुमार मिश्र, डॉ. मोनाली दास, श्री राजेशकान्त तिवारी, सुश्री अश्विनी लंके, श्री संजय कुमार मिश्र समेत परिसरीय समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

खानम आर्ट गैलरी का राष्ट्रीय कलाकार कार्यशाला एवं शिविर 2026 का भव्य शुभारम्भ एवं सफल समापन

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज के 6 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय कलाकार कार्यशाला एवं शिविर 2026 का भव्य शुभारम्भ एवं सफल समापन हुआ। शिविर का शुभारम्भ डॉ. ज़ाहेदा खानम द्वारा दी गई 5 मिनट की अद्भुत नाइफ पेंटिंग डेमोंस्ट्रेशन से हुआ, जिसने सभी का दिल जीत लिया। विशेष आमंत्रित अतिथि कलाकारों में शामिल रहेरू अनुपम कुमारी – अलीगढ़, डॉ. जुही शुक्ला – दिल्ली, तलत महमूद – प्रयागराज, राम रघुबीर मिश्रा – वाराणसी, ज़फ़र अली – मुम्बई सहित देश के अनेक क्षेत्रों से आए वरिष्ठ एवं नवोदित कलाकार। पुरस्कार एवं सम्मान पाने वालों में पांच हजार के चार नगद पुरस्कार – निदा अंसारी, अरबिया इसरार, शैफ़्ता एवं ज़फ़र अली को प्रदान किया गया। ख़दीजा बेगम स्कॉलरशिप एवं हमीदा खानम स्कॉलरशिप

से नवोदित प्रतिभाओं को नवाज़ा गया। बेस्ट आर्टवर्क अवार्ड – डॉ. जुही शुक्ला, तलत महमूद, राम रघुबीर मिश्रा, डॉ अनुपम कुमारी, सुस्वेता सरकार, सानिया जावेद सहित अन्य वरिष्ठ प्रतिभागियों को दिया गया। इन्हें खानम आर्ट गैलरी में निःशुल्क ग्रुप शो का अवसर भी प्रदान किया गया। 15 अगस्त को 3 बच्चों को विशेष पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

वरिष्ठ कलाकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग लखनऊ के सदस्य विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कार्यक्रम की भूरि–भूरि सराहना की। गैलरी निदेशक डॉ. ज़ाहेदा खानम ने अकादमी सदस्य रवीन्द्र कुशवाहा को बैच लगा एवं मैडल से सम्मानित किया तथा सभी अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत किया ।

थानाध्यक्ष की उपस्थिति में पुनः स्थापित हुआ भयहरणनाथ धाम मेला नियंत्रण कक्ष, अराजक तत्वों को दी गई कड़ी चेतावनी

दूसरे मंगलवार मेला में रही चाक–चौबन्द व्यवस्था, 24 घंटे सतर्क ड्यूटी के निर्देश

प्रतापगढ़। बाबा भयहरणनाथ धाम में चल रहे अधिकमास/मलमास मेला 2026 के दौरान कल कुछ अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए मेला नियंत्रण कक्ष को आज थानाध्यक्ष जेठवारा पंकज कुमार राय की मौजूदगी में पुनः स्थापित कर दिया गया। दूसरे

परम्परागत मंगलवार मेला में चाक–चौबन्द व्यवस्था रही। श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ के बीच दर्शन–पूजन हेतु सुव्यवस्था रही। इस दौरान थानाध्यक्ष पंकज राय ने अराजक तत्वों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि मेला परिसर में शांति व्यवस्था भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, ध्अब दोबारा अगर किसी ने ऐसी गलती की तो कोई भी बचेगा नहीं। कानून अपना काम करेगा। चौकी प्रभारी राजीव वर्मा के साथ एस ओ ने कहा कि नियंत्रण कक्ष अब श्रद्धालुओं की सहायता, सूचना और सुरक्षा व्यवस्था के लिए 24 घंटे सक्रिय रहेगा। धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र के संयोजन मे मेला व मन्दिर उप समितियों द्वारा प्रशासन के सहयोग से मेला व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है। श्रद्धालुओं से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और असामाजिक गतिविधि दिखने पर तुरंत नियंत्रण कक्ष या पुलिस को सूचित करें। 31 मई को सामाजिक सत्याग्रह के आयोजन के बीच राजस्व विभाग द्वारा धाम की भूमि को कब्जा मुक्त करके पत्थर गाड़ा जाना भी प्रस्तावित व अपेक्षित है। मेला परिसर में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती कर दी गई है और सीसीटीवी से लगातार निगरानी की जा रही है। भक्तों में प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से संतोष का माहौल है।

फूल बेला के

(कुण्डलिया)

खिलता आधी रात में, सुन्दर श्वेत प्रसून।
खुशबू को अंतस भरे, लिखता है मजमून।
लिखता है मजमून, जिसे बेला हैं कहते।
गुच्छों में में इक साथ,हमेशा खिलंते रहते।
सुन लो कहें प्रदीप,इत्र भी इससे मिलता।
चन्दा का पा छाँव, भोर से पहले खिलता।।

पंखुरियों का क्षीर–सा,निर्मल पावन रंग।
भरता है माहौल में,मोहक मधुर उमंग।
मोहक मधुर उमंग,फूल बेला के अन्दर।
खुशबू से भरपूर, कामिनी–वेणी बनकर।
सुन लो कहें प्रदीप, जहाँ पर भी यह होता।
भौरे लेते स्वाद, सदा इन पंखुरियों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भव्य रूप से सम्पन्न हुआ "इंडियास आइकॉनिक टैलेंट शो एंड इंडिया सुपर मॉडल सीजन 2.0"

लखनऊ (संवाददाता)। नाइस फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित "इंडियास आइकॉनिक टैलेंट शो एंड इंडियास। सुपर मॉडल सीजन 2.0" का भव्य ग्रैंड फिनाले मां कृपा होटल लखनऊ में शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया।इस टैलेंट शो के लिए कंपनी के फाउंडर एवं डायरेक्टर, अजीत श्रीवास्तव जो स्वयं एक प्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर और कलाकार हैं, रहने वाले प्रयागराज के है लगातार 25 से अधिक शहरों में ऑडिशन आयोजित किए। मध्य प्रदेश , बिहार , झारखंड , उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से प्रतिभाशाली कलाकारों का चयन कर उन्हें इस राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया गया।कार्यक्रम में एक्टिंग, डांसिंग, मॉडलिंग और सिंगिंग जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने अपनी कला और हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। मंच पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को बेहद यादगार बना दिया।शो में निर्णायक मंडल की भूमिका भी बेहद खास रही। सिंगिंग कैटेगरी की जजिंग टीवी सेलिब्रिटी तन्मय चतुर्वेदी ने और उनके साथ आशीष शर्मा ने की। मॉडलिंग की जिम्मेदारी राजेश यादव ने निभाई। एक्टिंग कैटेगरी फिल्ममेकर अंतरिक्ष श्रीवास्तव ने किया, जबकि डांसिंग की जजिंग राष्ट्रीय डांसर मनीष त्रिपाठी द्वारा की गई। सभी जजों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर अंक देकर विजेताओं की घोषणा की।कार्यक्रम में सीजन 1 के कुछ विशेष गेस्ट और विजेता भी शामिल हुए, जिन्हें कंपनी द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही उन्होंने मंच पर शानदार प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।नाइस फिल्म प्रोडक्शन ने घोषणा की है कि इस शो के एपिसोड बहुत जल्द टीवी पर प्रसारित किए जाएंगे, जिसकी आधिकारिक तारीख जल्द घोषित होगी। कंपनी आने वाले समय में शो के विजेताओं को बड़े प्लेटफॉर्म पर लॉन्च करेगी तथा उन्हें म्यूजिक एल्बम और अन्य मनोरंजन प्रोजेक्ट्स में अवसर प्रदान किए जाएंगे।कंपनी की सबसे बड़ी खासियत उसकी सोच और वादा है कृ "जो बोलता है वो करता है, क्योंकि सपने यहीं सच होते हैं।" यही कारण है कि आज यह संस्था देशभर के कलाकारों को मंच देकर उनके सपनों को नई उड़ान दे रही है।इसके साथ ही कंपनी ने "सीजन 3.0 की भी घोषणा जल्दी करेगी जिसका आयोजन संभवतः श्रंपचनत में किया जाएगा, हालांकि इसे किसी अन्य राज्य में भी आयोजित किए जाने की संभावना है।यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि देश के उभरते कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच साबित हुआ, जहां उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिला।

ईदगाह लखनऊ में ईद उल अजहा की नमाज की तैय्यारियाँ मुकम्मल

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश की सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक ईदगाह लखनऊ में ईद उल अजहा की नमाज की तैय्यारियों के सम्बन्ध में ईदगाह कमेटी और इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के सदस्यों की एक अहम् बैठक हुई। बैठक में मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने मुसलमानों से अपील की वह रसूल पाक स० और सहाबा रजि० की पैरवी करते हुए ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज अदा करें। इस लिए कि आप स० ने और सहाबा रजि० ने सदैव ईद उल फित्र और ईद उल अजहा की नमाज ईदगाह में अदा की है।

उत्तर मध्य रेलवे
शुद्धि पत्र संख्या-1
ई-नीलामी कार्यक्रम सूचना संख्या-02 में प्रथम संशोधन पत्र
No. S/Sale/611/E-AP/170758/ 2026-27 Date: 26.05.2026
सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनोपरांत मई-2026 में Dy.CMM/SYS./JHS & Sr.DMM/ NCR/Agra द्वारा आयोजित होने वाली ई-नीलामी कार्यक्रम में दोनों की एक तिथि दिनांक 28.05.2026 (बकरीद अवकाश) के स्थान पर दिनांक 29.05.2026 को निर्धारित की जाती है। ई-नीलामी कार्यक्रम की अन्य तिथियाँ नियम व शर्तें यथावत रहेंगी। 1088/26(DG)

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं. 2920262027 दिनांक: 25.05.2026
ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाऐं निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 17.06.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-
क्र.सं.-1 निविदा नं.-87 अनुमानित मूल्य (रु.) : 17999999.75 बयाने की रकम (रु.) : 360000.00
कार्य का विवरण : वरिष्ठ सहायक मण्डल अभियन्ता/सम्पदा/टूण्डला के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/I/टूण्डला के सेक्शन में उत्तर-पूर्व जोन में वार्षिक सिविल मैन्टीनेन्स समयावधि 30.06.2027 का कार्य।
कार्य समापन की अवधि : 30.06.2027 निविदा खुलने की तिथि : 17.06.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।
क्र.सं.-2 निविदा नं.-88 अनुमानित मूल्य (रु.) : 18999999.07 बयाने की रकम (रु.) : 380000.00
कार्य का विवरण : वरिष्ठ सहायक मण्डल अभियन्ता/सम्पदा/टूण्डला के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता/कार्य/I/टूण्डला के सेक्शन में उत्तर-पश्चिम जोन में वार्षिक सिविल मैन्टीनेन्स समयावधि 30.06.2027 का कार्य।
कार्य समापन की अवधि : 30.06.2027 निविदा खुलने की तिथि : 17.06.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।
क्र.सं.-3 निविदा नं.-89 अनुमानित मूल्य (रु.) : 6500000.00 बयाने की रकम (रु.) : 130000.00
कार्य का विवरण : वरिष्ठ सहायक मण्डल अभियन्ता/सम्पदा/टूण्डला एवं वरिष्ठ सहायक मण्डल अभियन्ता/टूण्डला के अधीन समयावधि 30.06.2027 तक बागबानी का कार्य।
कार्य समापन की अवधि : 30.06.2027 निविदा खुलने की तिथि : 17.06.2026
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : बागवानी का कोई कार्य।
नोट:- 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 17.06.2026 समय 13:30 बजे तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आधारे I.T. Act - 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 6. निविदादाता को जी.सी.सी.2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1191/26 (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR

सम्पादकीय.....

कॉकरोच जनता पार्टी का असल मकसद

देश में एक बार फिर २०११ वाला माहौल बनता हुआ दिख रहा है। तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ अन्ना हजारे ने लोकपाल आंदोलन शुरु किया था। इंडिया अगेंस्ट करप्शन के बैनर तले महंगाई, भ्रष्टाचार के कथित मामले, स्त्री सुरक्षा आदि पर एकदम से गुस्सा सतह पर दिखने लगा था। अब वैसी ही नाराजगी इस समय भी सरकार के खिलाफ दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया पर भी एक नयी मुहिम चल पड़ी है, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी नाम दिया गया है। दरअसल बीते दिनों भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक वकील की याचिका पर सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवकों का जिक्र करते हुए कॉकरोच वाली टिप्पणी की थी, जिस पर काफी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं आईं और आलोचना इतनी बढ़ गई कि मुख्य न्यायाधीश को स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उन्होंने नौजवानों के लिए ऐसा नहीं कहा था। बहरहाल, उनका इरादा जो भी रहा हो, लेकिन किसी की भी तुलना कॉकरोच से किए जाने पर समाज में नाराजगी देखी गई, जो स्वाभाविक है। इसी नाराजगी के चलते व्यंग्य करने की तर्ज पर अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम का आंदोलन सोशल मीडिया पर खड़ा किया, जिसकी अब चारों तरफ चर्चा हो रही है। विपक्ष के कई बड़े नेताओं ने इस आंदोलन से खुद को जोड़ा। इंटरनेट पर कॉकरोच के मीम वायरल होने लगे। दिल्ली में यमुना नदी को साफ करने कुछ स्वयंसेवी आगे आए तो उन्होंने कॉकरोच की पोशाक पहनी। तुम राष्ट्रवादी कॉकरोच हो, या राष्ट्रविरोधी। पाकिस्तानी कॉकरोच हो या हिंदुस्तानी, ऐसे कार्टून बनने लगे। बहुत सारे एआई जनरेटेड वीडियो बने, जिसमें कहीं मेलोडी चॉकलेट को कॉकरोच कुतर रहे हैं, कहीं भ्रष्ट हो चुकी संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं। गरज यह कि कॉकरोच इस समय भारतीय राजनीति का अहम किरदार बन गया है। लेकिन २०११ और २०२६ के माहौल में सबसे बड़ा फर्क यही है कि इस वक्त नरेन्द्र मोदी को सत्ता से हटाने की कोई मुहिम नहीं चल रही है। अन्ना आंदोलन का प्रत्यक्ष मकसद तो भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने और व्यवस्था सुधारने के लिए लोकपाल को लाना था, लेकिन छिपा हुआ मकसद यही था कि किसी तरह कांग्रेस को सत्ता से दूर किया जाए। मगर अब जो सरकार से नाराजगी सोशल मीडिया के जरिए व्यक्त हो रही है, उसमें सवाल उठ रहे हैं कि क्या उसका भी मकसद कांग्रेस की बढ़ती ताकत को ही खत्म करना है। क्या कांग्रेस से खुद को बचाने के लिए भाजपा ने फिर कोई नया मुखौटा तैयार कर लिया है। क्योंकि भाजपा में भी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर दो फाड़ दिख रही है। निशिकांत दुबे और किरण रिजीजू जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आरोप है कि सोशल मीडिया पर उभरे इस ट्रेंड के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है, जिसका मकसद भारत को अस्थिर करना है। किरण रिजीजू ने लिखा, श्मुझे उन लोगों पर तरस आता है जो सोशल मीडिया पर पाकिस्तान और जॉर्ज सोरोस गैंग से अपने फॉलोअर्स तलाशते हैं। भारत के पास अपनी पर्याप्त आबादी और अत्यधिक ऊर्जावान युवा हैं, जो वास्तविक और मूल्यवान फॉलोअर्स बन सकते हैं! भारत विरोधी गैंग से सत्यापन लेने की कोई आवश्यकता नहीं है।श केंद्रीय मंत्री के इस बयान के बाद अभिजीत दिपके ने जवाब दिया है कि, श्डेटा के अनुसार हमारे ६४ प्रतिशत से अधिक फॉलोअर्स और दर्शक भारत से ही हैं। आखिर एक केंद्रीय मंत्री भारतीय युवाओं को पाकिस्तानी का टैग क्यों दे रहे हैं?श वहीं निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया कि यह आंदोलन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। लेकिन केरल भाजपा के नेता राजीव चंद्रशेखर ने श्द इंडियन एक्सप्रेसश को दिए एक इंटरव्यू में कहा, श्इसमें ऐसी कई निशानियां दिख रही हैं जो यह बताती हैं कि यह कोई सुनियोजित और पहले से तय की गई चीज है, न कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के किसी बयान के खिलाफ अचानक भड़का कोई गुस्सा। उन्होंने यह भी कहा कि हमें हर उस व्यक्ति पर शक नहीं करना चाहिए, जिसकी राय हमसे अलग है। तो यह नजर आ रहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा, जो पिछले १२ सालों से सत्ता पर बनी हुई है, जो नरेन्द्र मोदी को महामानव की तरह पेश करती है, वो कॉकरोच जनता पार्टी से असहज महसूस कर रही है। हालांकि लोगों को अपना गुस्सा जाहिर करने का जो मंच सोशल मीडिया पर छेड़े गए एक आंदोलन से मिला, कांग्रेस वही मंच बरसों से जनता को देती आ रही है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में आम जनता को सुना और अब भी सुन रहे हैं। नीट पेपर लीक, मनरेगा हटाना, संविधान बचाने की लड़ाई, महंगाई, तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, एसआईआर, किसान–मजदूर के हक, स्त्री सशक्तीकरण हर मुद्दे पर कांग्रेस बार–बार सड़क पर उतरी है। सोचने वाली बात यह है कि जब कांग्रेस पिछले कई सालों से लगातार जनहित के मुद्दों को उठाती आ रही है, तब उसकी कोशिशों की चर्चा उतनी क्यों नहीं होती, जितनी अभी कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी की हो रही है। सीजेपी के कितने इंस्टाग्राम फॉलोअर हैं, उसने भाजपा को कैसे पछाड़ा, युवा कैसे सीजेपी से जुड़ रहा है,

ईरान पर अमरीकी दबाव के पीछे छिपा तेल का रहस्य

अमरीका सरकार, तेल व्यापारी और निजी विश्लेषक इस बात पर बंटे हुए हैं कि तेहरान के पास कच्चा तेल छिपाने के लिए जगह खत्म होने से पहले कितना समय बचा है। यह अमरीका–ईरान युद्ध के केंद्र में एक करोड़ों बैरल का रहस्य बन गया है–तेहरान के पास उस तेल को भंडारित करने के लिए जगह खत्म होने से पहले कितना समय है जिसे वह अब निर्यात नहीं कर सकता? इस प्रश्न का उत्तर संघर्ष के परिणाम को निर्धारित करने में सहायक हो सकता है। फारस की खाड़ी के अंदर हो रहे ईरान के तेल रिसाव के चलते तेहरान को फंसे हुए तेल के बैरल तेजी से भर रहे भंडारण टैंकों में और पास में मौजूद जहाजों के बेड़े में पंप करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अमरीकी अधिकारियों को उम्मीद है कि जब ईरान के पास तेल छिपाने के स्थान खत्म हो जाएंगे, तो उसे अपने तेल क्षेत्रों को बंद करने के लिए एक महंगा और उच्च जोखिम वाला कदम उठाना पड़ेगा, जिससे तेहरान को अपने परमाणु कार्यक्रम और व्यापक संघर्ष पर बातचीत में झुकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

हालांकि, अमरीका सरकार, तेल व्यापारी और निजी विश्लेषक इस बात पर बंटे हुए हैं कि तेहरान के पास 'टैंक टॉप' तक पहुंचने में वास्तव में कितना समय है, जो भंडारण समाप्त होने के लिए उद्योग की शब्दावली है।ईरान के तटवर्ती क्षेत्रों का अनुमान क्षमता 57 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक व्यापक रूप से भिन्न है। इसका अर्थ है कि तेहरान कुछ ही दिनों में संकट में फंस सकता है, या हफ्तों तक स्थिति को संभाल सकता है। कुओं को धीरे–धीरे बंद करना और निष्क्रिय जहाजों को तैरते हुए भंडारण के रूप में उपयोग करना ईरान को स्थिति को और अधिक खींचने में मदद कर रहा है। युद्धविराम के दौरान दोनों पक्षों के बीच आध्थक खींचतान का दौर चल रहा है। होर्मुज जल डमरूमध्य के बंद होने से तेहरान को अपनी अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए आवश्यक तेल निर्यात से होने वाली आय से वंचित होना पड़ रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में कमी और घरेलू मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारण पश्चिमी देशों की सहनशीलता की भी परीक्षा हो रही है। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद, ईरान सरकार राजस्व के लिए तेल की बिक्री पर अत्यधिक निर्भर है और कुल निर्यात राजस्व का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा तेल तथा तेल उत्पादों की बिक्री से आता है। इस नाकाबंदी के कारण ईरान का समुद्री निर्यात, जिसका अधिकांश हिस्सा चीन को जाता है, युद्ध–पूर्व औसत 1.8 मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर लगभग शून्य हो गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि ईरानियों को बढ़ती कीमतों और आध्थक कठिनाइयों के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि देश युद्ध की लागतों को वहन कर रहा है, जिसमें ऊर्जा, बुनियादी ढांचे को नुकसान और तेल निर्यात में बढ़ती कठिनाई शामिल है। ईरान के भंडारण पर लगाई गई सीमाएं अभी तक तेहरान को तत्काल राजनीतिक आत्मसमर्पण के लिए मजबूर नहीं कर पाई हैं लेकिन ये सीमाएं इस बात की परीक्षा ले रही हैं कि ईरान चरम परिस्थितियों में कितने समय तक टिक सकता है। यूरेशिया ग्रुप कंसल्टिंग फर्म में ईरान पर ध्यान केंद्रित करने वाले वरिष्ठ विश्लेषक ब्रू के अनुसार, ''वे 'न शांति, न युद्ध' की इस यथास्थिति को समाप्त करना चाहते हैं और अमरीका के साथ टकराव का समाधान चाहते हैं।''मैक्वेरी' के वैश्विक ऊर्जा रणनीतिकार विकास द्विवेदी का अनुमान है कि युद्ध–पूर्व ईरान के तेल बिक्री राजस्व का उसके सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान था। ''इसलिए कुल नुकसान भी उनके जी.डी.पी. के लिए विनाशकारी झटका नहीं है लेकिन यह उनके सरकारी राजस्व और सैन्य खर्च के बजट पर बहुत बड़ा असर डालेगा।'' अप्रैल के अंत में, अमरीका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के पास तेल पाइपलाइनों के अवरुद्ध होने से विस्फोट होने के खतरे से पहले लगभग 3 दिन का समय है। पिछले सप्ताह, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान का तेल भंडार भर गया है और तेहरान को तेल उत्पादन बंद करना होगा। एस. एंड पी. ग्लोबल एनर्जी का अनुमान है कि तटवर्ती कच्चे तेल का भंडार लगभग 57 प्रतिशत भरा हुआ है, जो साल के इस समय के ऐतिहासिक स्तर से कम है। जे.पी. मॉर्गन का अनुमान है कि यह संख्या 64 प्रतिशत है, यानी भंडार पूरी तरह भरने से पहले लगभग 3 सप्ताह के निर्यात के बराबर तेल बचा है। दूसरी ओर, डाटा प्रदाता केप्लर का अनुमान है कि तटवर्ती टैंक 90 प्रतिशत भरे हुए हैं। अनुमानों में व्यापक भिन्नता ईरान की तेल प्रणाली की अपारदर्शिता को दर्शाती है। विश्लेषक तैरते हुए टैंकों की छतों के उतार–चढ़ाव को मापने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करते हैं और उनकी छाया के आकार से उनकी क्षमता का अनुमान लगाते हैं। हालांकि, स्थिर छत वाले टैंक, निजी भंडारण स्थल और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे का आकलन करना अधिक कठिन है। कुछ अनुमानों में घरेलू रिफाइनरियों में भंडारण शामिल नहीं है। अमरीकी नाकाबंदी को तोडने में असमर्थ तेहरान फंसे हुए टैंकरों में कच्चा तेल भर रहा है और उन्हें अस्थायी तैरते भंडारण स्थलों के रूप में उपयोग कर रहा है। इस बीच, तेहरान कुओं से तेल उत्पादन को धीरे–धीरे कम कर रहा है। एक साथ पूरी तरह बंद करने की बजाय, वह चरणबद्ध तरीके से उत्पादन कम कर रहा है, ताकि तेल क्षेत्रों को बंद करने और बाद में उन्हें फिर से शुरू करने में हफ्तों या महीनों का खर्च उठाने जैसे महंगे कदम से बचा जा सके। ईरान रिफाइनरी उत्पादन में भी सक्रिय रूप से वृद्धि कर रहा है। यह रेल और ट्रकों के माध्यम से, सड़क मार्ग से तथा कैस्पियन सागर के रास्ते प्रतिदिन लगभग 2,00,000 बैरल का निर्यात करने में सक्षम है। यह पहली बार नहीं है जब तेहरान को वाशिंगटन से बचने के लिए अपने ऊर्जा क्षेत्र को निष्क्रिय करना पड़ा है। इससे इस बार अमरीकी दबाव अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। 2019 में ट्रम्प द्वारा तेहरान पर प्रतिबंध लगाने के बाद 3 साल से अधिक समय तक ईरानी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। उत्पादन भी प्रभावित हुआ और घटकर 20 लाख बैरल प्रति दिन से नीचे आ गया। हालांकि, 2022 में उत्पादन में फिर से तेजी आई और इस साल की शुरुआत में यह कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

रुपये की गिरावट एक गंभीर चेतावनी, सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती

आर. सूर्यमूर्ति

भारत का रुपया सिर्फ कमजोर ही नहीं हो रहा है बल्कि यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ढांचागत कमजोरियों के बारे में एक चेतावनी का संकेत दे रहा है, जिसने दो दशक तक विकास का जश्न मनाया, लेकिन आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और बाहरी कमोरियों जैसे ज़्यादा मुश्किल सवालों को टालती रही। जब इस हफ्ते मुद्रा डॉलर के मुकाबले ९६ के पार फिसल गईकृ जबकि साल की शुरुआत में यह ९० के आस–पास थीकृ तो नीति–निर्धारण से जुड़े कुछ लोगों की सहज प्रतिक्रिया यह थी कि इस संकट को भू–राजनीति का एक दुर्भाग्यपूर्ण नतीजा माना जाए रू जैसे अमेरिका–ईरान संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और डॉलर का मजबूत होना। यह सब सच है लेकिन इनमें से कोई भी बात पूरी तरह से रुपये की गिरावट की तस्वीर नहीं बताती। सालों तक, भारत की व्यापक आर्थिक कहानी कुछ सुकून देने वाली मान्यताओं पर टिकी रहीरू कि विदेशी निवेशक घाटे की भरपाई करते रहेंगे, कि विदेश से आने वाला पैसा (रेमिटेंस) बाहरी झटकों से बचाव करेगा, कि सेवाओं का निर्यात, मैन्युफैक्चरिंग की कमजोरी की भरपाई कर सकता है, और कि भारतीय रिजर्व बैंक के पास हमेशा इतनी पूंजी (रिजर्व) होगी जिससे बाजार की अस्थिरता को नियंत्रित किया जा सके। अब ये मान्यताएं, एक खतरनाक गति से, असलियत से टकरा रही हैं। संकट यह नहीं है कि रुपया कमजोर हो गया है। हर उभरते बाजार की मुद्रा, दबाव पड़ने पर कमजोर होती है। असली संकट यह है कि भारत दो ऐसी स्थितियों के बीच फंसा हुआ दिख रहा है, जो दोनों ही समान रूप से असहज हैंकृ या तो रुपये को अनियंत्रित रूप से गिरने दिया जाए, जिससे घबराहट फैलने का खतरा हैय या फिर उन स्तरों को बचाने के लिए रिजर्व को खर्च किया जाए, जिन्हें बाजार अब टिकाऊ नहीं मानता। यह नीतिगत गतिरोध, अब धीरे–धीरे, एक–एक रुपये की गिरावट के साथ साफ दिखाई देने लगा है। अर्थशास्त्रियों के बीच चल रही मौजूदा बहस ने अब लगभग वैचारिक रंग ले लिया है। एक पक्ष का तर्क है कि रिजर्व बैंक को पीछे हट जाना चाहिए और बाजार को अपने आप ही संतुलन बनाने देना चाहिए। आईएमएफ की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने, काफी बौद्धिक तर्कसंगतता के साथ, इस तर्क के अलग–अलग पहलुओं को सामने रखा है। उनका मानना है कि, सैद्धांतिक रूप से, एक कमजोर रुपया निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा, आयात को कम करेगा और अंततरू आर्थिक संतुलन को बहाल करेगा। इस दृष्टिकोण के अनुसार, एक ऐसे विनिमय दर को बचाने की कोशिश करना, जो टिकाऊ नहीं है, केवल उस चीज में देरी करना है जो होकर ही रहेगीय और इस प्रक्रिया में देश का रिजर्व भी खत्म होता जाता है।अर्थशास्त्र के इस तर्क पर विवाद करना कठिन है। लेकिन अर्थशास्त्र शायद ही कभी घबराहट की मानसिकता को समझ पाती हैं। भारत आज जो देख रहा है, वह केवल मूलभूत कारकों से प्रेरित एक सुनियोजित अवमूल्यन नहीं है। यह एक गति–चालित मुद्रा गिरावट है जो सट्टेबाजी, भू–राजनीतिक भय और निकट भविष्य की स्थिरता में गिरते विश्वास से लगातार प्रभावित हो रही है। यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक स्थिर कमजोर मुद्रा निर्यात में सहायक हो सकती है। गिरती मुद्रा अक्सर इसका विपरीत प्रभाव डालती है। जब आयातकों को लगता है कि रुपया कल और कमजोर होगा, तो वे आज ही खरीदारी करने के लिए दौड़ पड़ते हैं, विशेषकर कच्चे तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं की। जब विदेशी निवेशक और अवमूल्यन की आशंका करते हैं, तो वे मुद्रा–समायोजित नुकसान से बचने के लिए पूंजी पलायन को तेज कर देते हैं। फिर जब निर्यातकों को अगले महीने बेहतर विनिमय दर की उम्मीद होती है, तो वे रूपांतरण में देरी कर सकते हैं। इसका परिणाम एक ऐसा दुष्चक्र है जिसमें अपेक्षाएं ही अस्थिरता का कारण बन जाती हैं। यही कारण है कि श्बाजार संतुलन पा लेंगेश का तर्क आधुनिक पूंजी बाजारों के वास्तविक कामकाज से तेजी से अलग होता जा रहा है। सबसे बड़ा खतरा तेल संकट और मुद्रा संकट के बीच बन रहे खतरनाक गठजोड़ में निहित है। भारत अपनी लगभग ८५प्रतिशत कच्चे तेल की आवश्यकता आयात करता है। तेल की कीमतें बढ़ने पर डॉलर की मांग भी बढ़ती है। रुपये के कमजोर होने पर आयातित तेल और भी महंगा हो जाता है। इससे मौजूदा स्थिति और बिगड़ जाती है। खाता घाटा, मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाता है, और रुपये के बारे में बाजार के निराशावाद को तीव्र करता है– एक दुष्चक्र का निर्माण करता है। माल व्यापार घाटा बहुत बढ़ गया है। आत्मनिर्भरता के बारे में वर्षों की बयानबाजी के बावजूद चीनी आयात पर निर्भरता गहरी हो गई है। शुद्ध एफडीआई प्रवाह कमजोर हुआ है। विदेशी पोर्टफोलियो प्रवाह अत्यधिक अस्थिर है। इस बीच, भारत का भुगतान संतुलन तेजी से प्रवासी भारतीयों से प्राप्त धन पर निर्भर हो रहा है – जो लचीलेपन का एक उल्लेखनीय स्रोत है, लेकिन संरचनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता का शायद ही कोई विकल्प है। यह भारत के आर्थिक उत्थान के मूल में विरोधाभास है। देश आयातित ऊर्जा झटके, अस्थिर पूंजी प्रवाह और हजारों मील दूर की घटनाओं के कारण विनिमय दर में उतार–चढ़ाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहते हुए महान शक्ति का दर्जा पाने की आकांक्षा रखता है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का संक्षिप्त उद्भव मुद्रा मूल्यह्रास के कारण पहले ही उलट चुका है। केवल रैंकिंग ही राष्ट्रीय शक्ति का निर्धारण नहीं करती है, बल्कि मुद्राएं स्थिरता, विश्वसनीयता और रणनीतिक वजन की धारणाओं को आकार देती हैं। लगातार कमजोर रुपया उधार लेने की लागत बढ़ाता है, निवेशकों का विश्वास कमजोर करता है और नीति लचीलेपन को कम करता है।रुपये की गिरावट एक अस्थायी संकट नहीं बल्कि अनसुलझी संरचनात्मक कमजोरियों का दर्पण है। यह संरक्षणवाद या वित्तीय अलगाव का तर्क नहीं है। समग्र पूंजी नियंत्रण या व्यापक आयात बाधाओं के आह्वान से स्वयं की विकृतियां पैदा होंगी। लेकिन मौजूदा संकट इस धारणा में अंतर्निहित शालीनता को उजागर करता है कि केवल विकास ही अंततरू भारत के बाहरी असंतुलन को हल करेगा। बाहरी लचीलेपन के बिना विकास बिल्कुल वैसी ही स्थिति पैदा करता है जिसका भारत आज सामना कर रहा है रू एक नाजुक मुद्रा पारिस्थितिकी तंत्र के साथ प्रभावशाली जीडीपी संख्याएं। आरबीआई गिरावट को धीमा कर सकता है। यदि तेल की कीमतें कम हो जाती हैं या भू–राजनीतिक तनाव कम हो जाता है तो इससे रुपया अस्थायी रूप से स्थिर भी हो सकता है। लेकिन केवल मौद्रिक हस्तक्षेप ही भारत के उपभोग, आयात, निर्यात और अस्थिर विदेशी पूंजी के माध्यम से वित्त के बीच संरचनात्मक असंतुलन को हल नहीं कर सकता है। यही इस क्षण का केंद्रीय सबक है। रुपया इसलिए नहीं गिर रहा है क्योंकि बाजार ने अचानक भारत की दीर्घकालिक क्षमता पर विश्वास खो दिया है। भारत की दीर्घकालिक कहानी बरकरार है। रुपया गिर रहा है क्योंकि बाजार उस कहानी के तहत आर्थिक पाइपलाइन की स्थिरता पर सवाल उठा रहे हैं। मुद्राएं क्रूर सत्य बताने वाली होती हैं। वे राजनीतिक नारे, विकास आख्यान और सांख्यिकीय विजयवाद को दूर कर देते हैं। वे बताते हैं कि एक अर्थव्यवस्था वास्तव में क्या कमाती है, उत्पादन करती है, आयात करती है और बकाया क्या है। रुपया कुछ असहजता प्रकट कर रहा हैरू भारत आर्थिक रूप से सुरक्षित हुए बिना भी एक प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है। यही असली हिसाब अब निकट आ रहा है।

गोदी मीडिया का विकल्प यू ट्यूब और सोशल मीडिया

शकील अख्तर

जब बीजेपी विपक्ष में थी तब भी अखबारों में उसे ही प्राथमिकता दी जाती थी। इसके लिए नई–नई अवधारणाएं लाई जाती थीं। सरकार की खबरों के लिए कहा जाता था यह तो सरकारी विज्ञापन हैं। कांग्रेस की खबरों के लिए कहा जाता था अंदर की निकाल कर लाओ। क्या झगड़ा चल रहा है आपस में! अब बीजेपी सत्ता में है तो खबरों में वो ही वो है। कांग्रेस और विपक्ष के लिए अभी भी वही कहा जाता है कि अंदर क्या चल रहा है वह बताओ। मतलब उनकी कमियां बताओ। भारतीय पत्रकारिता में भाजपा पवित्र पार्टी के रूप में है। उसके नेता सोच ही नहीं सकते कि कोई उनके खिलाफ भी लिख सकता है। अटलबिहारी वाजपेयी जिन्हें उदार नेता के तौर पर पेश किया जाता जिन्दगी भर हमसे इस बात पर नाराज रहे कि हमने १९८४ में ग्वालियर लोकसभा चुनाव में यह क्यों लिख दिया था कि माधवराव सिंधिया भारी पड़ रहे हैं। सिंधिया को अचानक ग्वालियर लाया गया था। पहले दिन ही जब वे निकले और इसे जनदर्शन नहीं महाराज दर्शन कहा गया और उन्हें देखने के लिए जिस तरह भीड़ उमड़ी लोग एक के ऊपर गिरे उसने चुनाव का नतीजा काफी हद तक बता दिया था। और उसके बारे में संकेतों में ही लिखने से वाजपेयी जी की समझ में सब आ गया था। मगर बीजेपी हमेशा से मानती रही है कि मीडिया उन दिनों प्रेस कहते थे उसके लिए है।

वाजपेयी जी ने चुनाव नतीजों के बाद कहा कि आपने तो पहले ही हरवा दिया था। पत्रकार न पहले किसी को पहले जितवा–हरवा सकते थे न आज हैं। मगर आज वे झूठे नरेटिव (कहानी) को आगे बढ़ाकर सच को जनता तक पहुंचाने में काफी हद तक जरूर रोक सकते हैं। लेकिन शर्त यह है कि वह नैरेटिव बीजेपी का होना चाहिए। कांग्रेस या विपक्ष का सच भी वे लोगों तक नहीं पहुंचने देते हैं। आज कांग्रेस और विपक्ष बहुत सारे मुद्दों पर काम कर रही है। मगर सबसे जरूरी चीज मीडिया पर उसका ध्यान बिल्कुल नहीं है। सोचिए अगर आज मीडिया निष्पक्ष होता तो २२ लाख नीट के परीक्षार्थियों का दर्द घर–घर सुनाया जाता होता। मगर वह कहानी कहीं नहीं है बल्कि उसे इग्नोर करने और ऐसे ही जनता से जुड़े दूसरे मुद्दे गैस तेल की ८ दिन में तीन बार बढ़ा दी गई कीमतों का सवाल चर्चा का विषय नहीं है बल्कि कॉकरोच पार्टी कैसे इस सरकार के खिलाफ खड़ी हो गई है सब जगह इसकी बातें हैं। मीडिया को मालूम है। सबको मालूम है कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ लोगों में गुस्सा बढ़ रहा है। देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब मोड़ पर है। उसे पटरी पर लाने का मोदी के पास न कोई प्लान है न वह इसकी कोई जरूरत महसूस करते हैं। वह तो जो हो रहा है उसका फायदा मीडिया के जरिए कैसे उठा लें बस इसकी ही सोच रखते हैं। विपक्ष को यह समझना पड़ेगा कि मीडिया अब निर्णायक भूमिका में है लेकिन निष्पक्ष भूमिका में नहीं। प्रेसिडेन्ट ट्रंप जब भारत को नरककुंड कहकर देश को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं तो वह राष्ट्रवाद भूल जाता है। लेकिन जब राहुल कहते हैं कि आर्थिक स्थिति बहुत गंभीर है। मोदी एक साल में चले जाएंगे तो मीडिया भाजपा के इस नैरेटिव को चलाना शुरू कर देती है कि यह देश विरोधी बयान है। मोदी और देश को एक कर देती है। और जब ट्रंप सीधा देश के खिलाफ बयान देते हैं और मोदी चुप रहते हैं तो वह नैरेटिव चेंज करने में लग जाती है। जनता द्वारा इसीलिए उसे नफरत से गोदी मीडिया कहा जाता है। वह इन १२ सालों में जनता पर कैसी भी परेशानी आई उसके साथ खड़ा नहीं हुआ है कोरोना जैसी महामारी में भी। नोटबंदी, बेरोजगारी, महंगाई किसी में नहीं। कांग्रेस बताती है कि इस दौरान राहुल गांधी ने १२६ प्रेस कान्फ्रेंस कीं। और मोदी विदेश में एक सवाल का जवाब भी नहीं दे पाए। लेकिन फिर भी मीडिया के निशाने पर राहुल ही हैं। मीडिया का क्लास करेक्टर तो भाजपा वाला है ही। दक्षिणपंथी, दकियानूसी, गरीब विरोधी, सेठ समर्थक मगर इन दिनों भय भी एक बड़ा कारण बन गया है। मीडिया को नौकरी जाने का डर। अभी मेरठ में एक पत्रकार राजेश अवस्थी ने नौकरी न होने के कारण आत्महत्या कर ली। नौकरी ठेके की हैं। जब सेना में ठेके पर भर्ती होने लगी है तो मीडिया क्या है? यहां भी एक साल, दो साल ज्यादा से ज्यादा तीन साल के एग्रीमेन्ट होते हैं। और उस एग्रीमेंन्ट का भी कोई महत्व नहीं है चाहे जब निकाला जा सकता है। सरकार ने इस भय को और बढ़ा रखा है। मामला मुकदमा कभी भी किसी पर हो सकता है। तो इस डर में और विचारधारा से उनका समर्थक भी होने के कारण यह मीडिया जनसमर्थक नहीं हो पा रहा। जनता रो रही है और मीडिया को इसमें मोदी मोदी सुनाई दे रहा है। लेकिन क्या विपक्ष के पास और कोई विकल्प नहीं हैं। विकल्प बहुत हैं मगर विपक्ष उनका उपयोग करने का इनिशेटिव नहीं ले पा रहा। वह उस होस्टाइल मीडिया पर ही दांव खेलने की कोशिश फिर–फिर करता है जो उसे कभी जीतने ही नहीं दे सकती। उसका ध्यान कभी उस जनसमर्थक मीडिया की तरफ नहीं जाता जो लगातार जनता की आवाज उठाती रहती है। भारत में यूट्यूब पर समाचार देखने वालों की संख्या लगभग ५२ करोड़ है। और इसमें सबसे ज्यादा युवा। जिसे आगे आने का आह्वान ही विपक्ष करता रहता है। २५ से लेकर ३५ साल तक का युवा। बेरोजगारी, पेपर लीक का शिकार भी यही है। और करीब इतने ही ५० करोड़ से ऊपर सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। यह दोनों माध्यम आज की तारीख में सबसे ताकतवर हैं।

गीत

वो कहते रहते हैं पर आते नहीं है।
छोड़ के भी दिल को वो जाते नहीं है।।
लबों पे हंसी है आंखों में नमी हैं।
ये दर्द दिया है कैसा बताते नहीं है।।
ख्वाब जो देखे थे कभी हमने साथ में।
आँखों को वही ख्वाब अब भाते नहीं हैं।।
छोड़ के दरिया में वो हमको आ गए।
फिर बैठे के किनारे शरमाते नहीं है।।
खायी थीं जो कसमें सब झूठी हो गई
अब भूल से भी कसम हम खाते नहीं हैं
मुस्कान चेहरे की कभी उनकी जान थी
अब ख़्वाबों में भी हम मुस्कुराते नहीं हैं
गैर बन गए हो दुश्मन तो न बनो
दुश्मनी हम अपनों से निभाते नहीं है

रीता सिंह
बेंगलुरु
कर्नाटक

`घिस घिस घिस' ने मचाया धमाल, अक्षय-अक्षरा की जोड़ी छाई

> गाने को लेकर बात करते हुए कंपोजर और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, "'घिस घिस घिस' को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे। इसमें बॉलीवुड की एनर्जी, भोजपुरी फ्लेवर और 'वेलकम टू द जंगल' का पागलपन कृ सबकुछ एक साथ है।

अपनी विशाल स्टारकास्ट और बड़े कॉमिक यूनिवर्स को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' ने अब अपना नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज कर दिया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। भव्य सेट्स, रंग–बिरंगे विजुअल्स, फेस्टिव वाइब्स और वायरल होने वाले हुक स्टेप्स के साथ 'घिस घिस घिस' को पूरी तरह मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं। विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज किया गया 'घिस घिस घिस' हाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाजों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को जिंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं। गाने को लेकर बात करते हुए कंपोजर और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, "'घिस घिस घिस' को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे। इसमें बॉलीवुड की एनर्जी, भोजपुरी फ्लेवर और 'वेलकम टू द जंगल' का पागलपन कृ सबकुछ एक साथ है।गाने का हुक आइडिया इश्तेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूजिक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है। जंगली म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत 'घिस घिस घिस' अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूजिक वीडियो टाइम्स म्यूजिक के यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज खान (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्या सिंह और भाग्य भानुशाली जैसे कलाकार नजर आएंगे। अहमद खान द्वारा निर्देशित 'वेलकम टू द जंगल' को ए.ए. नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियो18 द्वारा सीता फिल्म्स और राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप प्रोडक्शन है, जिसे राकेश डांग और वेदांत विकास बाली ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता फिरोज ए. नाडियाडवाला हैं।'वेलकम टू द जंगल' 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कातांरा विवाद के बाद रणवीर सिंह ने किए चामुंडेश्वरी देवी मंदिर के दर्शन

धुरंधर स्टार रणवीर सिंह मंगलवार को मैसूर के चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा–अर्चना करने पहुंचे। उन्होंने यह कदम धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगने के बाद उठाया है। रणवीर सिंह ने यह कदम कांतारा फिल्म में दैव की विवादास्पद मिमिक्री के संबंध में कर्नाटक हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए उठाया। आपको बता दें कि रणवीर सिंह ने मंदिर का दौरा श्कांताराश मिमिक्री मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के एक निर्देश के बाद किया है। अप्रैल में रणवीर सिंह ने इस मामले में अदालत में एक हलफनामा जमा किया था और बिना शर्त माफी मांगी थी। इसके बाद अदालत ने उन्हें चार हफ्तों के भीतर चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा करने का आदेश दिया। रणवीर सिंह ने अदालत के आदेश का पालन किया और देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की। उनके इस दौरे को काफी हद तक गुप्त रखा गया था। एक्टर को मंगलवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने तक मास्क पहना हुआ था। बाद में, वे पूजा करने के लिए गर्भगृह में प्रवेश कर गए। यह मामला 30 नवंबर, 2025 को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया की एक घटना से जुड़ा है। इस समारोह के दौरान, रणवीर सिंह ने श्कांताराश के उस श्दैवश दृश्य की नकल की थी, जिसमें फिल्म के निर्देशक और अभिनेता ऋषभ शेट्टी नजर आए थे। रणवीर सिंह का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद कन्नड़ भाषी समुदाय के एक वर्ग की ओर से उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। बाद में, रणवीर सिंह ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस आलोचना का जवाब दिया और अपनी इस हरकत के लिए माफी मांगी। उन्होंने लिखा, मेरा मकसद फिल्म में ऋषभ के अभिनय को उजागर करना था। एक एक्टर होने के नाते, मैं जानता हूं कि उस खास दृश्य को ठीक उसी तरह निभाने में कितनी मेहनत लगती है, जैसा ऋषभ ने किया था। इसके लिए मेरे मन में उनके प्रति अपार सम्मान है। मैंने हमेशा हमारे देश की हर संस्कृति, परंपरा और आस्था का सम्मान किया है। अगर मैंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, तो मैं माफी मांगता हूं। इस मामले में रणवीर सिंह के खिलाफ कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को कथित तौर पर ठेस पहुंचाने के आरोप में एक एफआईआर दर्ज की गई। फरवरी में, रणवीर सिंह ने कर्नाटक हाई कोर्ट में राहत के लिए अर्जी दी थी। उस समय, कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे उनके खिलाफ कोई भी जबरदस्ती वाली कार्रवाई न करें।

पेद्दी से राम चरण, जाह्नवी कपूर और श्रुति हासन का धमाकेदार डांस नंबर 'हेल्लाल्लालो' हुआ रिलीज

साल की सबसे बड़ी पैन–इंडिया फिल्म पेद्दी का मोस्ट–अवेटीड ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, और राम चरण व जाह्नवी कपूर अपनी इस फ्रेश जोड़ी के साथ स्क्रीन पर जादू बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कई सारे स्पोर्ट्स (खेलों) के इर्द–गिर्द बुनी गई इस कहानी में ग्रामीण मैदानों से लेकर इंटरनेशनल अखाड़ों तक का सफर दिखाया गया है, जो वाकई दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधकर रखता है।एक तरफ जहाँ इसके ट्रेलर ने देश भर में तहलका मचा दिया है, वहीं मेकर्स ने अब फिल्म का एक और नया गाना हेल्लाल्लाल्लो रिलीज कर दिया है। इस गाने में इतनी जबरदस्त और क्रेजी एनर्जी है कि यह पूरे देश को थिरकने पर मजबूर कर सकती है। अपने सोशल मीडिया पर रुच्मककप का नया गाना हेल्लाल्लाल्लो रिलीज करते हुए मेकर्स ने एक बेहद कैची कैप्शन लिखा, अब हेलो को कहें अलविदा, अब से हर तरफ गूंजेगा सिर्फ हेल्ओओओओ भोपाल में 23 मई को फिल्म पेद्दी के लिए अब तक के सबसे बड़े म्यूजिकल इवेंट का आयोजन किया गया। इस भव्य इवेंट में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट शामिल हुई, जिसमें राम चरण, जाह्नवी कपूर, रवि किशन, शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू के साथ–साथ डायरेक्टर बुची बाबू सना और लेजेंड्री म्यूजिक कंपोजर ए. आर. रहमान भी मौजूद रहे। गानों, पोस्टर्स, टीजर और ट्रेलर के बैक–टू–बैक जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, अब यह नया गाना फिल्म के एक और ब्लॉकबस्टर एसेट के रूप में सामने आया है, जिसने निश्चित रूप से फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस के उत्साह को दोगुना कर दिया है। आपको बता दें कि राम चरण पेद्दी में एक क्रॉसओवर एथलीट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। ठीक वैसे ही जैसे एम. एस. धोनी क्रिकेटर बनने से पहले एक फुटबॉलर थे, और सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के भगवान बनने से पहले टेनिस में गहरी रुचि रखते थेय हमारे देश के कई बड़े स्पोर्ट्स आइकन्स के करियर का सफर भी ऐसा ही एक दिलचस्प क्रॉसओवर रहा है। बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित पेद्दी में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ शिवा राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे, जो इस फिल्म के स्केल और इम्पैक्ट को और भी ज्यादा बढ़ाते हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले वेंकट सतीश किलारु द्वारा किया जा रहा है, जिसमें माइथ्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आईवीवाई एंटरटेनमेंट का खास सहयोग शामिल है, जबकि ईशान सक्सेना इसके को–प्रोड्यूसर हैं। आईवीवाई एंटरटेनमेंट की शुरुआत साल 2020 में हुई थी, और आज इसने भारत के सबसे लोकप्रिय प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स एक्वायरर्स (अधिकार हासिल करने वाले) में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। कंपनी लगातार प्रीमियम आईपी और फिल्म राइट्स का एक बड़ा पोर्टफोलियो तैयार कर रही है, साथ ही क्रिएटिव प्रोडक्शन हाउसेस को सशक्त बना रही है ताकि वे ऐसी बेहतरीन फिल्में डिलीवर कर सकें जो दुनिया भर के दर्शकों के दिलों को छू सकें। इसके साथ ही फिल्म के पीछे एक बेहद मजबूत और प्रतिभाशाली टेक्निकल टीम भी खड़ी है। इसमें ऑस्कर विजेता ए. आर. रहमान का संगीत, आर. रथनावेलु की सिनेमैटोग्राफी, अविनाश कोल्ला का प्रोडक्शन डिजाइन, नवीन नूली की एडिटिंग और वी. वाई. प्रवीण कुमार का एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन शामिल है, जो इस फिल्म की सिनेमाई महत्वाकांक्षा को और अधिक मजबूत बनाते हैं। धुरंधर, धुरंधर द रिवेंज और राजा शिवाजी की भव्य सफलता के बाद, पेद्दी को उत्तर भारत में जियो स्टूडियोज द्वारा रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 3 जून 2026 को दुनिया भर में अपना प्रीमियर करेगी, जिसके ठीक बाद 4 जून 2026 को इसे वैश्विक स्तर पर थिएटर्स में रिलीज किया जाएगा।

'धुरंधर' से जुड़े इस शख्स पर दर्ज हुआ दुष्कर्म का केस, युवती ने लगाया यौन उत्पीड़न और मारपीट का गंभीर आरोप

फिल्म 'धुरंधर' से जुडे/प्रोडक्शन डिजाइनर सैनी एस. जोहरे पर दुष्कर्म और मारपीट के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एक युवती ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज की गई है। युवती का आरोप है कि चडीगढ़ के होटल में बुलाकर उसके साथ सैनी एस. जोहरे ने दुष्कर्म किया, मारपीट भी की। शिकायत में युवती ने बताया कि प्रोजेक्ट से जुड़ने के चार–पांच दिन बाद आरोपी सैनी एस. जोहरे ने काम पर चर्चा करने के बहाने उसे चडीगढ़ सेक्टर–17 स्थित एक होटल के कमरे में बुलाया। शुरुआत में उसे लगा कि यह एक टीम मीटिंग है, लेकिन बाद में उसे पता चला कि टीम के किसी अन्य सदस्य को इंवाइट नहीं किया गया था। आरोप है कि बाद में इस शख्स ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। प्रोडक्शन डिजाइनर सैनी एस. जोहरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली युवती चंडीगढ़ के खुड्डा लाहोरा की रहने वाली है। इस वक्त नई दिल्ली में रह रही है। 2025 में उसे 'धुरंधर' प्रोजेक्ट के लिए असिस्टेंट आर्ट डायरेक्टर के तौर पर काम पर रखा। प्रोजेक्ट से जुड़ने के चार–पांच दिन बाद आरोपी ने काम पर चर्चा करने के बहाने चडीगढ़ के सेक्टर–17 के एक होटल के कमरे में युवती को बुलाया। इस मीटिंग में टीम का कोई सदस्य नहीं था। 10 सितंबर, 2025 की रात करीब 8:30 बजे युवती होटल पहुंची थी। सैनी एस. जोहरे ने उस पर शराब पीने का प्रेशर बनाया। इस वजह से युवती की तबीयत खराब हो गई। शिकायत में आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर मारपीट भी की थी। 21 अप्रैल 2026 को इस दुष्कर्म मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस केस में पूरी जांच की और सोमवार को केस से जुड़ी सभी जानकारी सार्वजनिक की। इस मामले में प्रोडक्शन डिजाइनर सैनी एस. जोहरे को गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन बाद में जमानत भी मिल गई।

इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा पर आया बड़ा रिएक्शन, एकता कपूर ने कहा–जादुई फिल्म

इम्तियाज अली की आने वाली फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा बनी हुई है। ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच निर्माता–निर्देशक एकता कपूर ने फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग देखने के बाद अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया साझा की है। एकता कपूर ने फिल्म की कहानी को बेहद असरदार बताया और कहा कि यह फिल्म विभाजन के बैकड्रॉप में एक ऐसी प्रेम कहानी दिखाती है जो पीढ़ियों, सोच और भावनाओं को जोड़ती है। उनके अनुसार यह फिल्म दर्शकों को एक गहरी भावनात्मक यात्रा पर ले जाती है, जो लंबे समय तक याद रहती है। ए.आर. रहमान के संगीत की भी एकता कपूर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने इसे चनतम उंहपब बताया और कहा कि फिल्म का म्यूजिक इसकी भावनात्मक गहराई को और मजबूत बनाता है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ की परफॉर्मेंस को भी खास बताया गया है। एकता कपूर के मुताबिक, उनका किरदार भावनाओं और जटिल रिश्तों को बेहद सहजता से दर्शाता है, जो दर्शकों को जोड़कर रखता है। वेदांग रैना को फिल्म का सरप्राइज पैकेज बताया जा रहा है, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वहीं शरवरी वाघ की स्क्रीन प्रेजेंस और भावनात्मक अभिव्यक्ति को भी काफी सराहा गया है। नसीरुद्दीन शाह की एक्टिंग को एकता कपूर ने अभूतपूर्व बताया और कहा कि उनके अभिनय को शब्दों में बांधना मुश्किल है क्योंकि वह हर भूमिका में एक अलग स्तर लेकर आते हैं।

घर पर बनाएं स्पेशल लौकी का हलवा

लौकी का हलवा स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होता है। कई लोग लौका की सब्जी काफी बेमन से खाते हैं, लेकिन लौकी का हलवा काफी चाव से खाते हैं। टेस्टी और हेल्दी लौकी के हलवे से अपने भाई का मुंह मीठ करें। इस बनाना बेहद आसान है। आइए आपको बताते हैं इसकी आसान सी रेसिपी...

सामग्री

लौकी– 1
चीनी– 1 कप (100 ग्राम)
मावा/खोया–1/2 कप (50 ग्राम)
दूध– 1 बड़ा कप
इलायची पाउडर– 1 टी स्पून
घी– 2 टेबल स्पून
सूखे मेवे– 2 टेबल स्पून
विधि

1. सबसे पहले लौकी को छील लें। फिर उसे कद्दूकस कर लें और इसे एक तरफ रख दें।

2.अब एक कड़ाही लें और उसमें 2 टेबल स्पून घी डालकर गैस पर गर्म करें।

3. इस दौरान गैस की फ्लेम मीडियम पर रखें। जब घी गर्म होकर पिघल जाए तो उसमें कद्दूकस की हुई लौकी डाल दें और फ्राई करें।

4. जब लौकी फ्राई करने के दौरान हल्की भूरी दिखाई देने लगे तो उसमें एक बड़ा कप दूध डाल दें और पकाएं।

5. इसे तब तक पकने दें जब तक कि दूध लगभग पूरी तरह से सूख न जाए।

6.अब इसमें चीनी और मावा डालकर दोनों को लौकी के साथ अच्छी तरह से मिक्स कर दें।

7.हलवे को लगभग दस मिनट तक चलाते हुए पकाएं।

7.जब मावा अच्छी तरह से भुन जाए तो इसमें इलायची पाउडर और ड्राई फ्रूट्स डालकर गैस बंद कर दें।

8.आपका टेस्टी लौकी का हलवा तैयार है।

सगाई को बनाना है यादगार तो इस तरह करें घर की सजावट

घर एक ऐसी जगह है जिसकी सजावट देखने के लिए हर कोई तैयार रहता है। खासकर अगर घर में फंक्शन हो तो फिर तो सजावट करनी और भी जरुरी हो जाती है। सगाई एक ऐसा ही फंक्शन है जिसमें लोग अपने घरों को अलग तरीके से सजाना पसंद करते हैं। आज आपको कुछ ऐसे क्रिएटिव आइडियाज बताते हैं जिनके जरिए आप सगाई पर अपने घर को डेकोरेशन कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

अगर आप घर को ग्रीन डेकोर लुक देना चाहते हैं तो यह डेकोरेशन एकदम परफेक्ट रहेगी।

इसके अलावा आप एक अलग कॉर्नर बनाकर वहां पर लव बर्ड्स की तस्वीरें लगा सकते हैं।

स्टेज को आप ऐसे लाइट्स और रंग–बिरंगे फ्लावर्स के साथ सजा सकते हैं।

मेहमानों को खाना खिलाने के लिए डाइनिंग टेबल को ऐसे डेकोर करके पीछे कपल टू बी का नेम फ्लॉन्ट कर सकते हैं।

इस तरह के बैलून भी आप अपने घर में सजा सकते हैं।

घर की एंटरेंस पर आप सीढ़ियों में इस तरह कैंडल्स रखकर मेहमानों को एक अच्छा वेलकम दे सकते हैं।

सगाई की अंगूठियों को आप इस तरह प्लेट में डेकोरेट कर सकते हैं।

सिंपल और सॉबर लुक के लिए आप इस तरह भी सगाई के लिए घर पर स्टेज तैयार कर सकते हैं।

स्पेशल एक रुम में बैलून और कैंडल्स रखकर आप होने वाले कपल्स के स्पेशल फील करवा सकते हैं।

दिल से दिल का रिश्ता होता है भाई–बहन का, प्यार बनाना है मजबूत तो पेरेंट्स अपनाएं ये टिप्स

रिश्ता कोई भी हो यदि पूरे दिल से निभाया जाए तो इसमें और भी मिठास आने लगती है। खासकर भाई–बहन का रिश्ता ऐसा होता है जो थोड़ी सी खट्टास और मिठास के साथ भरा होता है इस रिश्ते की यदि थोड़ी सी डोर कमजोर पड़े तो पूरा रिश्ता ही डगमगाने लग जाता है। ऐसे में भाई–बहन के रिश्ते में प्यार बढ़ाने के लिए पेरेंट्स कुछ तरीके अपना सकते हैं। आज यानी की 24 मई को नेशनल ब्रदर्स डे मनाया जा रहा है ऐसे में आपको कुछ ऐसे आसान ट्रिक्स बताते हैं जिनके जरिए माता–पिता इस रिश्ते में मिठास ला सकते हैं...

भाई को बनाएं बहन के लिए जिम्मेदार

आप अपने बेटे को समझाएं कि भाई होने के नाते उसके अपनी बहन के लिए क्या–क्या फर्ज हैं। बड़ा भाई पिता का दूसरा रुप ही माना जाता है। भारतीय समाज में बहन की शादी का दायित्व पिता के साथ भाई का भी पूरा–पूरा माना जाता है। भविष्य में माता–पिता के बाद भाई–बहन के बीच ऐसा ही प्यार बना रहे इसके लिए आप बचपन से ही दोनों के रिश्तों में मिठास बढ़ा सकते हैं।

साथ में बिताने दें दोनों को समय

भाई–बहन के रिश्ते को यदि आप मजबूत बनाना चाहते हैं तो दोनों को साथ में समय बिताने का मौका दें। बचपन में ही उन्हें साथ खिलाने, पढ़ाने जैसी गतिविधियों में अपने साथ शामिल करें। इससे उनका प्यार भी मजबूत होगा और रिश्ता भी गहरा बनेगा। इसके अलावा उन्हें हर काम में बराबर शामिल करें। भविष्य में आपको ऐसे कई मौके होंगे यहां आपको दोनों की जरुरत पड़ेगी। यदि इसकी शुरुआत बचपन में ही कर दें तो आगे चलकर रिश्तों की कड़ी और भी मजबूत बनेगी।

लड़ाई पर डालें पर्दा

माता–पिता भाई बहन की लड़ाई का हिस्सा बिल्कुल भी न बनें यदि वह दोनों इसमें शामिल होंगे तो दोनों की लड़ाई को और भी बढ़ावा मिलेगा। कभी–कभी नोकझोंक को रिश्ते का हिस्सा मानकर इसे नजरअंदाज करने की कोशिश करें। अगर बात ज्यादा गंभीर है तो ही आप रिश्ते में अपने आप को इनवॉल्व करें। खासकर उम्र बढ़ने के साथ–साथ भाई–बहन के बीच लड़ाईयों के मुद्दे गंभीर होने लगते हैं ऐसे में कोशिश करें कि इन्हें बढ़ावा बिल्कुल भी न दें।

दोनों को दें एक जैसा प्यार

लड़कियां पेरेंट्स के काफी करीब होती हैं ऐसे में माता–पिता उन्हें ज्यादा प्यार देते हैं। परंतु इस चक्कर में लड़के सोचते हैं कि उनके साथ भेदभाव हो रहा है। ऐसे में उन्हें लगता है कि हर गलती की सजा सिर्फ भाई को ही मिलेगी। कई बार माता–पिता सिर्फ बहन की ही सुनते हैं। इससे दोनों के बीच खट्टास भी आने लगती है। इसलिए यदि आप उनके रिश्तों में प्यार बढ़ाना है तो दोनों का एकजैसा प्यार करें।

दोनों की खूबियां बताएं

भाई–बहन के बीच यदि आप प्यार बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें एक–दूसरे की अच्छी आदतों के बारे में बताएं। उदाहरण के साथ बताएं कि कब भाई–बहन ने एक दूसरे के लिए कोई खास कदम उठाया था दोनों की अच्छी आदतों के बारे में उन्हें बताएं। इससे भाई–बहन का रिश्ता मजबूत होगा और इसमें प्यार भी बढ़ेगा।

अच्छी सेहत के लिए बेहद जरूरी हैं ये विटामिन्स, आज से ही बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

सेहतमंद बने रहने के लिए हमारे शरीर को कई तरह के विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है। वहीं कुछ विटामिन्स ऐसे भी होते हैं, जिनकी शरीर में कमी होने पर इसका असर साफ तौर पर पता चलने लगता है। वहीं विटामिन्स की कमी होने पर हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है। साथ ही कई तरह के इंफेक्शन का भी खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि शरीर में विटामिन्स की कमी होने पर बोन्स, स्किन और मसल्स आदि से जुड़ी समस्याएं हमें घेर लेती हैं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए हमें हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। ताकि हमारे शरीर को सभी तरह के विटामिन्स मिल सकें। बता दें कि हमारे शरीर में अलग–अलग विटामिन्स की अलग भूमिका होती है। जहां कुछ विटामिन्स हड्डियों की मजबूती देते हैं, तो वहीं कुछ हमारी आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा कुछ विटामिन्स ऐसे होते हैं, जिनको हम यदि कभी–कभी अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वहीं हमारे शरीर के लिए कुछ विटामिन्स का रोजाना जरूरी होती हैं। आइए जानते हैं कि हमारे शरीर के लिए कौन–कौन से विटामिन जरूरी होते हैं।

विटामिन ए

विटामिन ए शरीर को इंफेक्शन्स से बचाने और उससे लड़ने में हमारी मदद करता है। इसके अलावा यह आंखों की रोशनी, दांतों और हड्डियों के लिए भी काफी अच्छा होता है। बता दें कि विटामिन ए हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करता है। यह हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और किडनी की अच्छी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। ब्रोकली, पालक, शकरकंदी, गाजर, पपीता, दूध, दही, पनीर और हरी सब्जियों में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

विटामिन बी

विटामिन बी हमारे शरीर और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी होता है। विटामिन बी की कमी से दिल और ब्रेन के इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। वहीं यह मेटाबॉलिज्म को सही रखने के लिए भी काफी आवश्यक होता है। विटामिन बी नर्वस सिस्टम को हेल्दी बनाए रखने में बेहद जरूरी होता है। विटामिन बी के लिए आप सोयाबीन, मछली, चिकन, दूध, दही, अंडा और ओट्स आदि को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

विटामिन सी

विटामिन सी हमारे शरीर की इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए बेहद जरूरी होता है। विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता पाई जाती है। ऐसे में विटामिन सी की कमी होने पर हमारे शरीर को संक्रमण का खतरा अधिक बढ़ जाता है। वहीं यह विटामिन आयरन की कमी को दूर करने के साथ ही ब्लड प्रेशर को मैनेज करने का काम करता है। नींबू, अमरूद, आम, कीवी, ब्रोकली, आंवला, संतरा और पपीता आदि से आप विटामिन सी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

विटामिन डी

विटामिन डी नर्वस सिस्टम को सही तरह के फंक्शन करने का काम करता है। इसके साथ ही यह बोन हेल्थ को भी सही से चलाने में सहायक होता है। बता दें कि विटामिन सी हमारे खून में फास्फोरस लेवल को मेंटेन करता है। सूरज की रोशनी, अंडा, दूध, मशरूम, सोयाबीन और मछली आदि में विडामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

गर्मियों में कच्चा प्याज खाना चाहिए या नहीं? जानिए शरीर पर क्या असर होता है

गर्मियों के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ठंडा बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। तेज धूप, बढ़ता तापमान और पसीना शरीर में पानी की कमी और कमजोरी पैदा कर सकते हैं। ऐसे में खानपान में ऐसी चीजों को शामिल करना जरूरी है जो शरीर को ठंडक देने के साथ–साथ पोषण भी दें। कच्चा प्याज उन्हीं फायदेमंद खाद्य पदार्थों में से एक माना जाता है। प्याज में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे विटामिन ब्, फोलेट, पोटैशियम, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण। यही वजह है कि गर्मियों में कच्चा प्याज खाना सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। आइए जानते हैं गर्मियों में कच्चा प्याज खाने से शरीर पर क्या असर पड़ता है।

शरीर को रखता है हाइड्रेटेड

गर्मियों में शरीर को पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। कच्चे प्याज में पानी की मात्रा अच्छी होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। इसे खाने से शरीर में पानी की कमी होने का खतरा कम हो सकता है।

शरीर को देता है ठंडक

प्याज की तासीर ठंडी मानी जाती है। इसमें मौजूद कूलिंग गुण शरीर के तापमान को संतुलित रखने में मदद करते हैं। यही कारण है कि गर्मियों में कच्चा प्याज खाने से लू और हीट स्ट्रोक से बचाव में मदद मिल सकती है।

इम्यूनिटी को बनाता है मजबूत

प्याज में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यह शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में भी सहायक होता है।

पाचन को रखता है बेहतर

कच्चा प्याज फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। इसे नियमित रूप से खाने पर खाना आसानी से पचता है और कब्ज, गैस तथा अपच जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। गर्मियों में सलाद के रूप में कच्चा प्याज खाने से पेट हल्का और पाचन बेहतर बना रहता है।

ब्लड शुगर को करता है कंट्रोल

प्याज का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिस वजह से यह ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ने नहीं देता। कच्चा प्याज खाने से शरीर में शुगर का स्तर संतुलित रखने में मदद मिल सकती है। यही कारण है कि डायबिटीज के मरीज भी डॉक्टर की सलाह के अनुसार सीमित मात्रा में प्याज को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गर्मियों में प्याज खाने का सही तरीका

सलाद के रूप में कच्चा प्याज खाएं
सिरके वाला प्याज बनाकर खाएं
हरी चटनी के साथ प्याज खा सकते हैं
दाल और खाने के साथ साइड सलाद में शामिल करें।

ध्यान रखें: हालांकि प्याज सेहत के लिए फायदेमंद है, लेकिन कुछ लोगों को इसे ज्यादा खाने से एसिडिटी, बदबू या पेट में जलन की समस्या हो सकती है। इसलिए इसे संतुलित मात्रा में ही खाना चाहिए। गर्मियों में कच्चा प्याज खाना शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। यह शरीर को ठंडक देने, हाइड्रेट रखने, पाचन सुधारने और इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। सही मात्रा और सही तरीके से प्याज को डाइट में शामिल करके गर्मियों में खुद को स्वस्थ रखा जा सकता है।

संक्षिप्त

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 250 अंक फिसला, निफ्टी भी कमजोर

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में बड़ा उतार–चढ़ाव दिखा। जहां सेंसेक्स 250 अंकों से अधिक गिर गया। वहीं, निफ्टी 24 हजार से नीचे पहुंच गया। शुरुआती कारोबार के दौरान एयरटेल और इंडिगो जैसे शेयरों में 4: तक की गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती सत्र में एक समय पर सेंसेक्स 264.82 अंक गिरकर 76,224.14 तक टूट गया। निफ्टी 27.6 अंक गिरकर 24,004.10 पर कारोबार करता दिखा। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिरकर 95.40 पर आ गया। इंडिगो, भारती एयरटेल, सन फार्मा, ट्रेंट, टाइटन कंपनी और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से पिछड़ गए। वहीं दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, बीईएल और एचसीएल टेक के शेयर लाभ कमाने वाले प्रमुख शेयर रहे। प्रमुख सूचकांकों में व्यापक क्षेत्रीय गिरावट देखी गई, जिसमें निफ्टी ऑयल एंड गैस सूचकांक 0.31 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.22 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो 0.14 प्रतिशत गिर गया। इस गिरावट के विपरीत, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फार्मा सूचकांक क्रमशः 0.23 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत चढ़े। इससे पहले सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट इसका मुख्य कारण थी। अमेरिकी–ईरान वार्ता से जुड़े सकारात्मक माहौल ने भी बाजार को मजबूत सहारा दिया था। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए थे। हालांकि मंगलवार को सुबह बाजार में बिकवाली हावी दिखी। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान ने बताया कि लंबे समय बाद निफ्टी ने न केवल 20–दिवसीय एसएमए (सिंपल मूविंग एवरेज) को पार किया, बल्कि इसके ऊपर बंद भी हुआ, जिससे मौजूदा स्तरों से आगे की तेजी को समर्थन मिला। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कमोडिटीज विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, ईरानी ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद पश्चिम एशिया में लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष की आशंकाएं फिर से जाग उठीं, जिसके चलते एशियाई कारोबार में सोने की कीमतों में गिरावट आई और पिछले सत्र की कुछ बढ़त उलट गई।

पेट्रोल–डीजल के बाद अब सीमेंट के बढ़ सकते हैं दाम, लगातार तीसरी बार बढ़ी कीमत

वॉशिंगटन,एजेंसी। देश में घर बनाने का सपना देख रहे लोगों को अब बड़ा झटका लग सकता है। पेट्रोल–डीजल, कच्चे तेल और कोयले की बढ़ती कीमतों के बीच अब सीमेंट भी महंगा होने की तैयारी में है। सीमेंट कंपनियां जल्द ही सीमेंट की कीमतों में पांच से सात रुपये प्रति बोरी तक बढ़ोतरी कर सकती हैं। इससे मकान, दुकान, फ्लैट और सड़क जैसे निर्माण कार्यों की लागत और बढ़ जाएगी। पहले ही अप्रैल और मई में सीमेंट के दाम बढ़ चुके हैं। अब कंपनियों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण कीमतें बढ़ाना मजबूरी बन गया है। ऐसे में आम आदमी से लेकर बिल्डर्स तक पर इसका सीधा असर पड़ने वाला है। सीमेंट कंपनियों पर इस समय ईंधन और पैकेजिंग खर्च का भारी दबाव है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान–अमेरिका विवाद के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, पेट कोक और थर्मल कोयले की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। यही चीजें सीमेंट बनाने में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती हैं। युद्ध और तनाव के बाद आयातित पेट कोक की कीमत करीब 15 फीसदी बढ़कर 146 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई है। वहीं थर्मल कोयले के दाम 16 फीसदी बढ़कर 115 डॉलर प्रति टन हो गए हैं। भारत में भी बीते 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सात रुपये प्रति लीटर से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इससे ट्रांसपोर्ट और माल ढुलाई का खर्च भी बढ़ गया है। इसके अलावा सीमेंट की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले बैग और अन्य सामग्री की लागत भी बढ़ी है। कंपनियों का कहना है कि इन सभी कारणों से सीमेंट बनाने की लागत प्रति टन करीब 80 रुपये तक बढ़ गई है। यही वजह है कि कंपनियां अब प्रति बोरी पांच से सात रुपये तक कीमत बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। सीमेंट के दामों में यह पहली बढ़ोतरी नहीं होगी। अप्रैल 2026 में देशभर में सीमेंट की कीमतों में करीब 10 रुपये प्रति बोरी की बढ़ोतरी की गई थी। इसके बाद मई की शुरुआत में भी कंपनियों ने पांच रुपये प्रति बोरी तक कीमत बढ़ाने का फैसला लिया था। अब नई बढ़ोतरी लागू होती है तो कुछ ही महीनों में सीमेंट करीब 20 रुपये प्रति बोरी तक महंगा हो जाएगा। इस लगातार बढ़ोतरी का असर सीधे निर्माण क्षेत्र पर दिखाई देगा। छोटे मकान बनाने वाले परिवारों का बजट बिगड़ सकता है। बिल्डर्स की परियोजनाओं की लागत बढ़ेगी। सरकारी निर्माण योजनाओं पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ईंधन की कीमतों में राहत नहीं मिली तो आगे भी निर्माण सामग्री महंगी बनी रह सकती है। सीमेंट कंपनियों के सामने सिर्फ लागत बढ़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि आने वाले मानसून को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। जून से देश में बारिश का मौसम शुरू हो जाएगा। आमतौर पर मानसून के दौरान निर्माण कार्य धीमे पड़ जाते हैं। बारिश के कारण मकान, सड़क और बड़ी परियोजनाओं का काम कम हो जाता है। इसका सीधा असर सीमेंट की मांग पर पड़ता है। अगर मांग कमजोर हुई तो कंपनियों के लिए लगातार ऊंची कीमतें बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।

स्वितोलिना की संघर्षपूर्ण जीत, वावरिंका को भावुक विदाई, अनिसिमोवा दूसरे दौर में

नई दिल्ली,एजेंसी। फ्रेंच ओपन के पहले दौर में सोमवार को कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले। एक तरफ यूक्रेन की स्टार खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने कड़े संघर्ष के बाद जीत दर्ज की, वहीं स्विस दिग्गजस्टैन वावरिंका ने भावुक माहौल में अपने अंतिम फ्रेंच ओपन अभियान को अलविदा कहा। दूसरी ओर अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने चोट से वापसी करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने हंगरी की अन्ना बोंदार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 3–6, 6–1, 7–6(3) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मुकाबला दो घंटे 26 मिनट तक चला और इसमें जबरदस्त उतार–चढ़ाव देखने को मिले। पहला सेट गंवाने के बाद स्वितोलिना ने शानदार वापसी की और दूसरे सेट में अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए बॉन्डार की मूवमेंट को लगातार निशाना बनाया। निर्णायक सेट में स्वितोलिना ने 5–3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन बॉन्डार ने लगातार शानदार अंक जीतकर मुकाबले को 6–5 तक पहुंचा दिया। हालांकि, अनुभवी स्वितोलिना ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाया और मैच को सुपर टाईब्रेक तक ले गईं। वहां उन्होंने पूरी तरह नियंत्रण कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह पिछले एक वर्ष में दोनों खिलाड़ियों के बीच पांचवीं भिड़ंत थी। दिलचस्प बात यह रही कि इससे पहले बॉन्डार, स्वितोलिना के खिलाफ लगातार दो मुकाबले जीत चुकी थीं। अब दूसरे दौर में स्वितोलिना का सामना क्वालीफायर केटलिन क्वेवेडो से होगा। 2015 के फ्रेंच ओपन चौंपियन स्टेन वावरिंका का रोलां गैरो में सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया। नीदरलैंड्स के जेस्पर डी जोंग ने उन्हें 3–6, 6–3, 3–6, 4–6 से हराया। 41 वर्षीय वावरिंका पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यह उनका अंतिम सीजन हो सकता है। ऐसे में पेरिस में उनका यह मुकाबला बेहद भावुक माहौल में खेला गया। भीषण गर्मी के बावजूद कोर्ट सिमोन मथ्यू पर बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे और हर अंक पर वावरिंका का उत्साह बढ़ाते रहे।

मैच के बाद टूर्नामेंट आयोजकों ने वावरिंका को विशेष सम्मान दिया। उन्हें फ्रेंच ओपन कोर्ट की मिट्टी से सजा एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। स्टेडियम की स्क्रीन पर उनके करियर के यादगार पल दिखाए गए। भावुक वावरिंका ने दर्शकों से कहा, श्यह बहुत कठिन पल है। मैं यहां आपसे विदा नहीं लेना चाहता। वावरिंका ने 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था और अपने दमदार वन–हैंडेड बैकहैंड व जुझारूपन के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने आठ सप्ताह के चोट ब्रेक के बाद शानदार वापसी करते हुए फ्रांस की तियानत्सोआ राकोतोमांगा राजाओना को 6–3, 6–1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। बाएं हाथ की कलाई की चोट के कारण अनिसिमोवा पूरे क्ले सीजन से बाहर रहीं थीं और शुरुआत में उनकी लय कमजोर नजर आई। शुरुआती पांच गेम में उन्होंने दो बार अपनी सर्विस गंवाई, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार आक्रामक खेल दिखाया और अगले 12 में से 11 गेम जीतकर मुकाबला आसानी से समाप्त कर दिया। 2019 में फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल तक पहुंच चुकी अनिसिमोवा ने मैच में 24 विनर्स लगाए। दूसरे दौर में उनका सामना ऑस्ट्रिया की जूलिया ग्रैबर से होगा, जिन्होंने स्लोवाकिया की रेबेका स्रामकोवा को सीधे सेटों में हराया। ग्राबहर भी हाल ही में चोट से वापसी कर रही हैं और क्ले कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड काफी मजबूत माना जाता है।

रैपर स्कॉट से टेलर स्विफ्ट के मंगेतर तक, ट्रेविस नाम का हर सेलिब्रिटी बना निशाना

आईपीएल 2026 में विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच हुई ऑन–फील्ड तनातनी अब सोशल मीडिया विवाद में बदल गई है। कुछ फैंस ने ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका और उनके परिवार को ट्रोल करना शुरू कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि ट्रेविस नाम होने की वजह से अमेरिकी सिंगर–रैपर ट्रेविस स्कॉट और टेलर स्विफ्ट के मंगेतर ट्रेविस केल्स भी सोशल मीडिया पर निशाने पर आ गए। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ राउंड से पहले एक विवाद ने काफी तूल पकड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबले में विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच कहासुनी देखने को मिली। इस विवाद से कोहली के फैंस इतना भड़क गए कि उन्होंने ट्रेविस हेड की पत्नी और उनके परिवार तक को लपेटे में ले लिया। फैंस ने ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका और उनके परिवार के अन्य लोगों के साथ–साथ उनके दोस्तों के इंस्टाग्राम अकाउंट पर जाकर भद्दे भद्दे कमेंट्स किए। हालांकि, कोहली के फैंस यहीं पर नहीं रुके, उन्होंने ट्रेविस नाम के हर सेलिब्रिटी को अपने लपेटे में ले लिया है। सिंगर–रैपर ट्रेविस स्कॉट और टेलर स्विफ्ट के मंगेतर और अमेरिकन फुटबॉल प्लेयर ट्रेविस केल्स भी इसके निशाने पर आ गए हैं। लोग इनके इंस्टाग्राम पर पोस्ट वीडियोज और फोटोज पर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। वहीं, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये ट्रेविस हेड नहीं, कोई दूसरा ट्रेविस है। इस पूरे विवाद ने उस समय अजीब मोड़ ले लिया, जब कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने अमेरिकी सिंगर–रैपर ट्रेविस स्कॉट के साथ–साथ टेलर स्विफ्ट के मंगेतर और अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ी ट्रेविस केल्स को भी ट्रेविस हेड समझ लिया। इसके बाद कई लोगों ने ट्रेविस स्कॉट और ट्रेविस केल्स की इंस्टाग्राम पोस्ट्स पर जाकर भद्दे कमेंट्स करने शुरू कर दिए। दोनों इस ऑनलाइन ट्रोलिंग की चपेट में आ गए। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स लगातार लोगों को समझाते नजर आए कि ये ट्रेविस हेड नहीं, बल्कि अलग सेलिब्रिटी हैं। यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और फैंस के व्यवहार को लेकर एक बार फिर बहस छिड़ गई। जेसिका हेड ने खेल जगत में मानसिक स्वास्थ्य और ऑनलाइन व्यवहार को लेकर भी चिंता जताई थी।

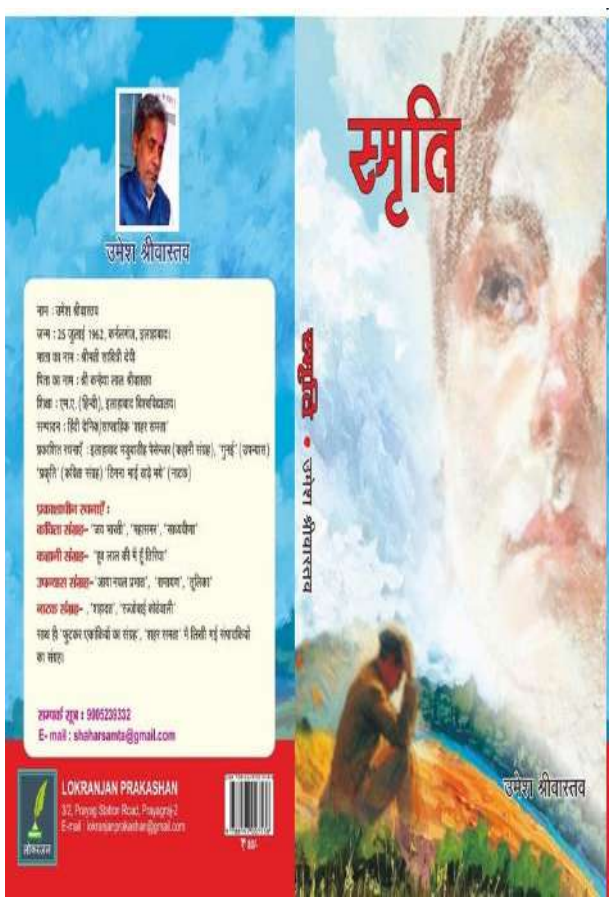

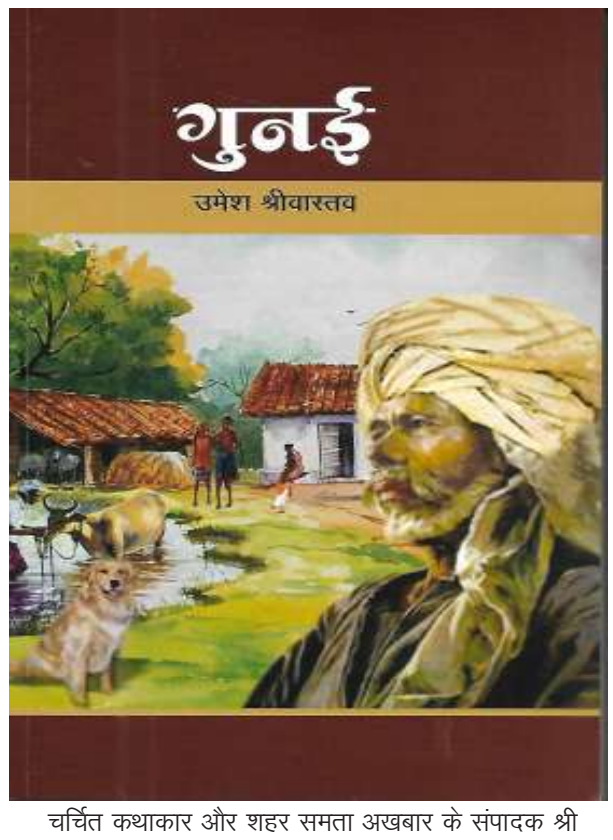

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

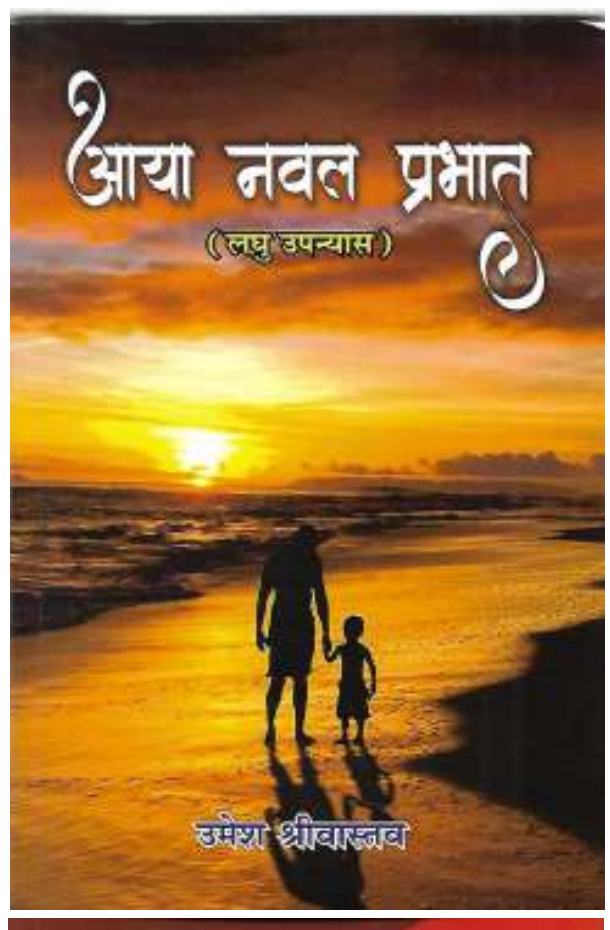

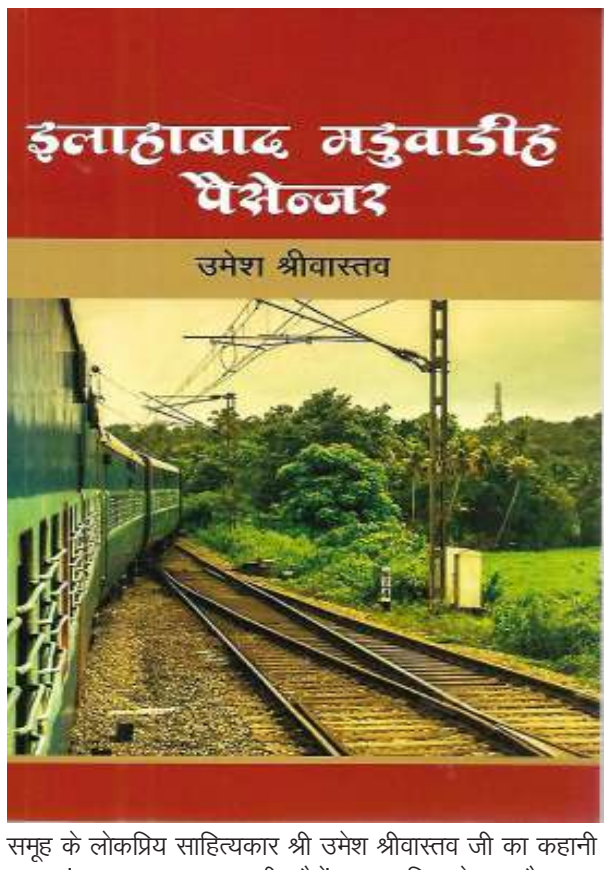

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

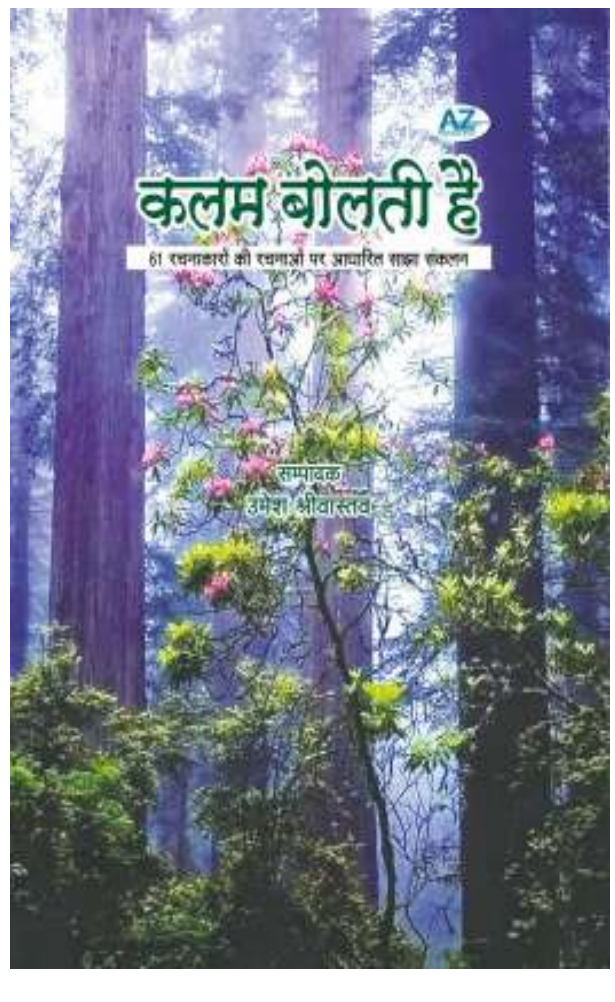

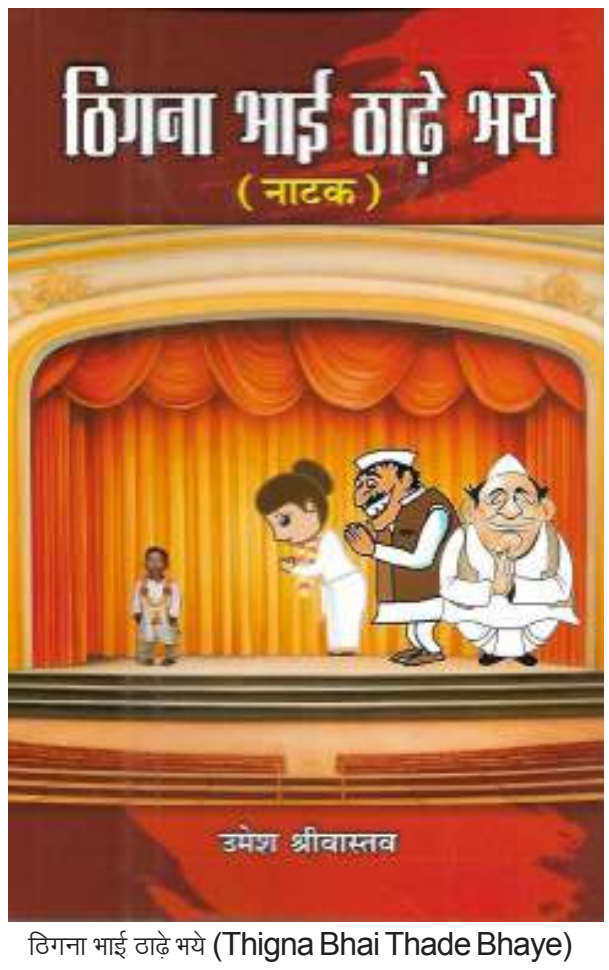

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

जी हुजूरी करने वाले पाकिस्तान ने ट्रंप की अपील क्यों ठुकराई ? अब्राहम समझौते पर कहा- हमें मंजूर नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होने की मांग की थी। वहीं, पाकिस्तान ने अब्राहम समझौते में शामिल होने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने कहा कि इस्लामाबाद किसी भी ऐसे समझौते का समर्थन नहीं करेगा जो देश की मौलिक विचारधाराओं के खिलाफ हो। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, यह बयान पाकिस्तानी प्रसारक समा टीवी के साथ एक साक्षात्कार के दौरान दिया गया। रक्षा मंत्री आसिफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दबाव और कूटनीतिक संकेतों के बाद पाकिस्तान के अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने की संभावना के बारे में पूछा गया था। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, ष्निजी तौर पर मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसे किसी भी समझौते

में शामिल होना चाहिए जो हमारी मौलिक विचारधाराओं से टकराता हो।ष इस्राइल पर नहीं कर सकते भरोसा रू ख्वाजा आसिफ इस्राइल के साथ जुड़ाव की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आगे कहा, ष्आप उन लोगों के साथ कैसे बैठेंगे जिन पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता?ष उन्होंने इस्लामाबाद के इस मुद्दे पर लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए कहा, ष्हमारा रुख बहुत साफ है कि यह हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। आसिफ ने इस्राइल के बारे में पाकिस्तान की पासपोर्ट नीति का भी जिक्र किया, जो यहूदी राज्य को मान्यता देने से देश के इनकार को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, ष्और दूसरी बात, हमारे पासपोर्ट पर, हम एकमात्र देश हैं जिनके पासपोर्ट पर इस्राइल का नाम भी शामिल नहीं है। सऊदी अरब ने भी बनाई दूरी सऊदी अरब ने भी डोनाल्ड ट्रंप की अपील को खारिज कर दिया है। सऊदी अरब ने कहा है कि जब तक फलिस्तीन को देश के तौर पर मान्यता नहीं मिलती है, तब तक इस्राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जाएगा। गौरतलब है कि तमाम मुस्लिम देशों की प्राथमिकता फलस्तीन को मान्यता दिलाने की है। ट्रंप ने की थी मुस्लिम देशों से अपील इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते से जुड़े एक व्यापक क्षेत्रीय समझौते के हिस्से के रूप में कई मुस्लिम और अरब देशों से अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होने का आग्रह किया था।

ट्रंप ने श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट में कहा था कि प्रस्तावित व्यवस्था मध्य पूर्व के लिए एक ऐतिहासिक घटना बन सकती है। उन्होंने सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन सहित देशों से एक साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने का आह्वान किया था। ट्रंप ने जोर देकर कहा था कि ईरान के साथ समझौता होने के बाद सऊदी अरब और कतर को तुरंत अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होना चाहिए और अन्य देशों को भी इसका पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अगर अमेरिका के साथ समझौता सफलतापूर्वक पूरा होता है, तो ईरान खुद इस ढांचे का हिस्सा बन सकता है। क्या है अब्राहम समझौता? अब्राहम समझौता 2020 में हस्ताक्षरित अमेरिकी–मध्यस्थता वाला ऐतिहासिक समझौता है, जिसकी वजह से इस्राइल और कई अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध सामान्य हुए हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी मौलिक विचारधाराओं के विपरीत किसी भी समझौते का हिस्सा नहीं बनेगा।

संक्षिप्त

सूर्य की सामान्य रोशनी से बनी क्वांटम तस्वीर, चीनी वैज्ञानिकों ने दुनिया में किया बड़ा कमाल

बीजिंग, एजेंसी। चीन के वैज्ञानिकों ने क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में ऐसी सफलता हासिल की है, जिसने दुनिया के वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अब तक माना

जाता था कि क्वांटम फोटॉन बनाने के लिए शक्तिशाली और स्थिर लेजर जरूरी होती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पहली बार सिर्फ सूर्य की सामान्य रोशनी की मदद से क्वांटम–लिंक्ड फोटॉन तैयार कर लिए। इन फोटॉनों की मदद से "घोस्ट इमेजिंग" तकनीक के जरिए कृत्रिम तस्वीर भी बनाई गई। इस उपलब्धि को भविष्य की अंतरिक्ष तकनीक और क्वांटम संचार के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। आखिर वैज्ञानिकों ने क्या नया कर दिखाया? अब तक क्वांटम ऑप्टिक्स में लेजर को सबसे जरूरी उपकरण माना जाता था। वैज्ञानिकों का मानना था कि बिना नियंत्रित और शक्तिशाली लेजर के क्वांटम स्तर पर जुड़े फोटॉन तैयार नहीं किए जा सकते। लेकिन चीन की शियामेन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस सोच को बदल दिया। शोधकर्ताओं ने सूर्य की प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल करके क्वांटम–लिंक्ड फोटॉन तैयार किए। इसके बाद इन फोटॉनों की मदद से "घोस्ट इमेजिंग" तकनीक द्वारा तस्वीर का पुनर्निर्माण किया गया। इस तकनीक में तस्वीर सीधे कैमरे से नहीं ली जाती, बल्कि क्वांटम संबंधों के जरिए तैयार होती है। इस शोध को जर्नल "एडवांस्ड फोटोनिक्स" में प्रकाशित किया गया है। धूप से क्वांटम तस्वीर कैसे बनाई गई? वैज्ञानिकों ने एक खास स्वचालित सन–ट्रैकिंग प्रणाली तैयार की। यह सिस्टम पूरे दिन सूर्य की दिशा का पीछा करता रहा, ठीक वैसे ही जैसे टेलीस्कोप काम करता है। इसके जरिए सूर्य की रोशनी को 20 मीटर लंबे प्लास्टिक मल्टीमोड ऑप्टिकल फाइबर में भेजा गया। यह फाइबर रोशनी को एक अंधेरी प्रयोगशाला तक पहुंचाता है। वहां इस प्रकाश को पीपीकेटीपी नाम के विशेष नॉनलाइनियर क्रिस्टल पर डाला गया। इसी प्रक्रिया के दौरान क्वांटम फोटॉन जोड़े तैयार हुए। पीपीकेटीपी क्रिस्टल क्या होता है? पीपीकेटीपी यानी पीरियॉडिकली पोल्ड पोटैशियम टाइटेनिल फॉस्फेट एक विशेष प्रकार का क्रिस्टल है। इसका इस्तेमाल क्वांटम ऑप्टिक्स और फोटॉन आधारित प्रयोगों में किया जाता है। यह क्रिस्टल प्रकाश की तरंगों को खास तरीके से बदलने में मदद करता है, जिससे क्वांटम फोटॉन जोड़े बन पाते हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि पहली बार यह साबित हुआ है कि सूर्य की प्राकृतिक रोशनी भी "स्पॉन्टेनियस पैरामेट्रिक डाउन–कन्वर्जन प्रक्रिया को सक्रिय कर सकती है। यही प्रक्रिया क्वांटम तकनीक में फोटॉन जोड़े बनाने के लिए सबसे अहम मानी जाती है। इस सफलता को इतना बड़ा क्यों माना जा रहा है? विशेषज्ञों के अनुसार यह उपलब्धि भविष्य की क्वांटम तकनीकों को सस्ता और आसान बना सकती है। अभी तक ऐसे प्रयोगों के लिए महंगे लेजर सिस्टम की जरूरत पड़ती थी। अगर सूर्य की रोशनी से भी क्वांटम फोटॉन बनाए जा सकते हैं, तो भविष्य में छोटे और कम खर्च वाले क्वांटम उपकरण विकसित हो सकते हैं। इस तकनीक का इस्तेमाल अंतरिक्ष मिशनों, सुरक्षित संचार प्रणाली और हाईटेक इमेजिंग सिस्टम में किया जा सकता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे क्वांटम संचार को दूरदराज और अंतरिक्ष क्षेत्रों तक ले जाने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी यह प्रयोग शुरुआती चरण में है, लेकिन इसके नतीजे बेहद उत्साहजनक हैं। आने वाले समय में इस तकनीक को और बेहतर बनाने पर काम किया जाएगा। वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश करेंगे कि प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल करके क्वांटम तकनीकों को किस स्तर तक विकसित किया जा सकता है।

CEPA डील पर तेज हुई भारत–कनाडा बातचीत, पीयूष गोयल बोले- साल के अंत तक समझौते की उम्मीद

ओटावा, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से ठंडे पड़े रिश्तों में अब तेजी से सुधार देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तीन दिवसीय दौरे पर कनाडा पहुंचे हैं। इस दौरान दोनों देशों ने साल 2026 के अंत तक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) पूरा करने और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। कनाडा की राजधानी ओटावा में मीडिया से बातचीत करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की फरवरी 2026 में भारत यात्रा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि अब भारत और कनाडा नए लक्ष्य और नई सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी मुलाकात की है, इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर साझा की है। साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने का निर्देश पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने निर्देश दिए हैं कि मुक्त व्यापार समझौते को इस साल के अंत तक पूरा किया जाए। इसके साथ ही मौजूदा व्यापार को 2030 तक लगभग 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 17 अरब डॉलर के आसपास है। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरे में भारत का अब तक का सबसे बड़ा कारोबारी प्रतिनिधिमंडल कनाडा पहुंचा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पाकिस्तानः मुनीर की कठपुतली हैं शहबाज! ट्रंप के पोस्ट का साफ इशारा, सत्ता का केंद्र हैं PAK सेना प्रमुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री भले ही शहबाज शरीफ हों, लेकिन तमाम बड़े मामलों में सेना प्रमुख आसिम मुनीर का दखल साफ नजर आता है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ अब आसिम मुनीर के हाथों की कठपुतली जैसे दिखते हैं। पाकिस्तान में सत्ता के इस समीकरण को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक हालिया पोस्ट ने और बल दिया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब्राहम समझौते के विस्तार को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की थी। इस पोस्ट में ट्रंप ने मुस्लिम–बहुल देशों से ईरान युद्ध के बाद अब्राहम समझौते में शामिल होने का आग्रह किया था। इस पोस्ट में उन्होंने शहबाज शरीफ की जगह पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम

मुनीर का नाम लिया। ट्रंप के पोस्ट से सवाल खड़ा हो गया है कि असल में पाकिस्तान की सत्ता किसके हाथ में है? ट्रंप ने सोमवार को श्ट्रुथ सोशलश पर अब्राहम समझौते के विस्तार को लेकर एक पोस्ट में उन विश्व नेताओं की सूची जारी की, जिनसे उन्होंने बात की थी। हालांकि, जब बात पाकिस्तान की आई, तो उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का नाम नहीं लिया। इसके बजाय अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर का जिक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पोस्ट में सऊदी अरब के मोहम्मद बिन सलमान, यूएई के मोहम्मद बिन जायद, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल–सिसी जैसे नेताओं का नाम लिखा। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इस सूची में नहीं थे। जानकारों का कहना है कि यह सिर्फ चूक का मामला नहीं है। यह चूक सीधे तौर पर पाकिस्तान में सत्ता के समीकरण पर मुहर लगाती दिख रही है। यह पहले से ही साफ है कि पाकिस्तानी सेना विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में देश की सरकार की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभाव रखती है। वहीं, ट्रंप की पोस्ट ने एक तरह से इसकी पुष्टि कर दी है। पाकिस्तान में आसिम मुनीर का कद लगातार बढ़ने का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह ईरान, अफगानिस्तान और अमेरिका के साथ सहयोग से जुड़े मुद्दों पर फैसला लेने वालों में सबसे अहम माने जाते हैं। कई रिपोर्टों में दावा है कि शहबाज शरीफ से ज्यादा मुनीर से ट्रंप की करीबी है। ट्रंप ने पिछले साल एक गोपनीय बैठक की थी और मुनीर की तारीफ की थी।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों से भड़का रूस, दे डाली कीव पर भीषण हमले की धमकी, नागरिकों से बोला- खाली कर दो शहर

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और व्यवस्थित हमले करने की चेतावनी दी है। मॉस्को ने विदेशी नागरिकों के लिए शहर को खाली करने की सलाह भी जारी की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने यह बयान ऐसे समय में जारी किया है, जब स्टारोबिस्क में यूक्रेन का सबसे

घातक ड्रोन हमला हुआ, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 42 अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने कहा, ष्रूसी सशस्त्र बल कीव में यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर लगातार और व्यवस्थित हमले शुरू कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे सुविधाएं शामिल हैं जहां ड्रोन डिजाइन, निर्माण और प्रोग्राम किए जाते हैं। उन्हें संचालन के लिए तैयार किया जाता है। कीव शासन इन ड्रोनों को नाटो विशेषज्ञों की मदद से तैनात करता है, जो चीजों की आपूर्ति करने के साथ टोही और लक्ष्य प्राप्ति डेटा प्रदान करते हैं। रूसी मंत्रालय ने विदेशी नागरिकों से शहर छोड़ने के साथ नागरिकों से सैन्य और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे की सुविधाओं के पास न जाने का आग्रह किया है। रूसी मंत्रालय की ओर से कहा गया, ष्ये सुविधाएं कीव में फैली हुई हैं, हम विदेशी नागरिकों, जिसमें राजनयिक मिशनों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कर्मियों को भी शामिल हैं, को जल्द से जल्द शहर छोड़ने की आवश्यकता के बारे में सूचित करते हैं। हम यूक्रेनी राजधानी के निवासियों से जेलेंस्की शासन के सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं के पास न जाने का आग्रह करते हैं। हाल के महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को काफी बढ़ाया है। यूक्रेन ने रूसी लक्ष्यों, विशेषकर ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर सफल हमले किए हैं। रूस, जिसने चार साल पहले यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था और पूर्वी यूक्रेन के चार क्षेत्रों पर अपना दावा करता है, इन हमलों को श्आतंकवादश करार दिया है और बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के साथ प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिकी विदेश सचिव को सूचित किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों के जवाब में, रूसी संघ के सशस्त्र बल कीव में स्थित उन सुविधाओं पर व्यवस्थित और लगातार हमले कर रहे हैं जिनका उपयोग यूक्रेनी सेना की जरूरतों के लिए किया जाता है, साथ ही संबंधित निर्णय लेने वाले केंद्रों पर भी। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने श्कीव की एंटी–बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी कमीश का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर्याप्त मात्रा में इन क्षमताओं को प्राप्त करने के लिए यूरोपीय सहयोगियों के साथ काम कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, ष्हम यूक्रेन के लिए वायु रक्षा पर सभी सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं – यह पहली प्राथमिकता है। ईरान के साथ युद्ध के कारण एंटी–बैलिस्टिक क्षमताएं अब विश्व स्तर पर कम आपूर्ति में हैं, लेकिन हमें समाधान खोजना होगा।ष उन्होंने आगे कहा, ष्हम महाद्वीप पर पर्याप्त मात्रा में अपनी एंटी–बैलिस्टिक क्षमताएं विकसित करने के लिए यूरोप में काम में तेजी लाने की कोशिश कर रहे हैं। हम यूक्रेन का समर्थन करने की अपनी क्षमता के संबंध में अमेरिका के साथ भी जुड़ते रहेंगे।ष

लेबनान पर इस्राइल का हमलाः हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, 12 लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में 12 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी

इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं। मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव

लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में 10 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल–सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। उत्तरी इस्राइल में स्कूल बंद, सभाओं पर रोक हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

इस्राइल में बढ़ी चिंता: प्रधानमंत्री नेतन्याहू अचानक अस्पताल में भर्ती, पहले से कई बीमारी से हैं पीड़ित

एजेंसी/इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सोमवार शाम यरुशलम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में इसकी पुष्टि की गई। टाइम्स ऑफ इस्राइल की रिपोर्ट के अनुसार नेतन्याहू को यरुशलम स्थित हदासाह ऐन केरम मेडिकल सेंटर ले जाया गया। प्रधानमंत्री

कार्यालय ने बताया कि 76 वर्षीय नेतन्याहू दांतों से जुड़े इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे थे। यह बयान उस समय जारी किया गया जब हिब्रू मीडिया में उनके अस्पताल ले जाए जाने की खबरें सामने आईं। नेतन्याहू की सेहत क्यों बनी चर्चा का विषय? पिछले कुछ समय से नेतन्याहू की सेहत इस्राइल में चर्चा और विवाद का बड़ा विषय बनी हुई है। विपक्ष और आलोचकों ने उन पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जनता से छिपाने के आरोप लगाए हैं। इसी वजह से उनकी वास्तविक स्वास्थ्य स्थिति को लेकर देश में लगातार अटकलें लगती रही हैं। नेतन्याहू ने अपने स्वास्थ्य को लेकर क्या बताया था? पिछले महीने नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट साझा कर खुलासा किया था कि उन्होंने हदासाह अस्पताल में प्रोस्टेट में पाए गए घातक ट्यूमर के लिए सफल रेडिएशन थेरेपी कराई थी। हालांकि उन्होंने बीमारी का पता चलने, इलाज शुरू होने और खत्म होने की तारीखों का खुलासा नहीं किया। नेतन्याहू ने दावा किया था कि हालिया युद्ध के दौरान ईरान इस जानकारी का इस्तेमाल इजरायल के खिलाफ प्रचार के लिए कर सकता था, इसलिए इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। उनकी घोषणा के साथ वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट और कैंसर उपचार से जुड़ा एक अतिरिक्त दस्तावेज भी जारी किया गया था, लेकिन उसमें बेहद सीमित जानकारी दी गई थी।

रिपोर्ट में केवल पांच संक्षिप्त बिंदु थे और यह भी स्पष्ट नहीं किया गया था कि वह किस वर्ष की मेडिकल रिपोर्ट है। दस्तावेजों पर अस्पताल का लोगो या औपचारिक मेडिकल प्रमाणन भी नहीं था। नेतन्याहू की स्वास्थ्य समस्याओं का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों से जारी है। जुलाई 2023 में उनके शरीर में पेसमेकर लगाया गया था।

मार्च 2024 में उनकी हर्निया सर्जरी हुई थी और दिसंबर 2024 में प्रोस्टेट हटाने की सर्जरी कराई गई थी। पेसमेकर लगाए जाने के समय शुरुआत में कहा गया था कि वह डिहाइड्रेशन की निगरानी के लिए अस्पताल में भर्ती हुए थे, लेकिन बाद में खुलासा हुआ कि उनके शरीर में हार्ट मॉनिटर भी लगाया गया था। एक सप्ताह बाद डॉक्टरों ने माना कि ईसीजी टेस्ट में कुछ अनियमितताएं मिली थीं, हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री का दिल पूरी तरह सामान्य है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।